PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 233 ● भिलाई, बुधवार 25 मार्च 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

आदिवासियों को वनवासी कहना संविधान और बिरसा मुंडा का अपमान

गुजरात। गुजरात दौरे पर गए कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर निशाना साधा। राहुल ने कहा कि जब भी वह जाति जनगणना की बात करते हैं, तो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनका विरोध करते हैं। वडोदरा में आयोजित आदिवासी अधिकार संविधान सम्मेलन को संबोधित करते कांग्रेस सांसद दौरान राहुल गांधी ने यह भी कहा कि आदिवासियों को वनवासी कहना संविधान और आदिवासी नेता बिरसा मुंडा का अपमान है। उन्होंने कहा कि इस तरह के शब्दों का इस्तेमाल आदिवासी समाज की पहचान को कमजोर करता है। उन्होंने कहा कि आदिवासी नेता बिरसा मुंडा की विरासत और उनके विचारों पर हमला किया जा रहा है। राहुल गांधी ने कहा कि कुछ लोग संविधान की बात करते हैं, लेकिन वही लोग आदिवासियों के अधिकारों को कमजोर कर रहे हैं

सुवेंदु अधिकारी को एफआईआर में दंडात्मक कार्रवाई से मिली अंतरिम राहत

कोलकाता। कलकत्ता हाई कोर्ट की एकल पीठ ने आज (सोमवार) को पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी को बड़ी राहत दी है। अदालत ने उत्तर 24 परगना जिले के खड़दह थाने में दर्ज एफआईआर के मामले में उन्हें अंतरिम संरक्षण प्रदान करते हुए पुलिस को किसी भी तरह की कार्रवाई करने से रोक दिया। जस्टिस अजय कुमार मुखर्जी की एकल पीठ ने यह आदेश देते हुए कहा कि अगले 12 सप्ताह (जुलाई तक) पुलिस सुवेंदु अधिकारी के खिलाफ कोई दंडात्मक कदम जिसमें गिरफ्तारी भी शामिल है नहीं उठा सकेगी। मामले की अगली सुनवाई जुलाई में निर्धारित की गई है। इस बार सुवेंदु अधिकारी एक साथ दो सीटों से चुनाव लड़ रहे हैं। इनमें पूर्व मेदिनीपुर जिले की नंदीग्राम विधानसभा सीट शामिल है, जहां वे वर्तमान विधायक हैं।

कुमारी सैलजा ने चौधरी भजनलाल की प्रतिमा का अनावरण, नगर निगम और सरकारी नीतियों पर उठाए सवाल

पंचकूला। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने पंचकूला के सेक्टर-15 स्थित बिश्नोई भवन में हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी भजनलाल की प्रतिमा का अनावरण किया। सांसद कुमारी सैलजा ने चौधरी भजनलाल को एक दूरदर्शी एवं कुशल राजनीतिज्ञ बताते हुए कहा कि हरियाणा के विकास में उनका योगदान अविस्मरणीय है। उन्होंने कहा कि चौधरी भजनलाल सामाजिक एकता, भाईचारे और सामाजिक न्याय के प्रबल समर्थक थे।

सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला

धर्मांतरण करने पर अनुसूचित जाति का दर्जा समाप्त होगा-कोर्ट

नई दिल्ली/ एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक अहम फैसले में कहा कि धर्म परिवर्तन करने वाला व्यक्ति अनुसूचित जाति का दर्जा पूरी तरह से खो देता है। सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट का फैसला बरकरार रखा है। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि अगर कोई व्यक्ति उदाहरण के लिए ईसाई धर्म अपना लेता है और ईसाई धर्म के अनुसार जीवन जी रहा है तो उसे अनुसूचित जाति का व्यक्ति नहीं माना जा सकता। अदालत ने कहा कि हिंदू धर्म, सिख धर्म और बौद्ध धर्म के अलावा किसी अन्य धर्म को मानने वाला व्यक्ति अनुसूचित जाति का सदस्य नहीं माना जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने कहा सांविधानिक आदेश, 1950 में साफ कहा गया है कि खंड-3 में बताए गए धर्मों के अलावा किसी भी धर्म में धर्मांतरण करने पर जन्म के बावजूद, अनुसूचित जाति का दर्जा तुरंत समाप्त हो जाता है। यह आदेश एक ऐसे व्यक्ति के मामले में दिया गया, जिसने ईसाई धर्म अपना लिया था और अब पेस्टर के तौर पर काम कर रहा है, लेकिन उसने कुछ लोगों के खिलाफ एससी-एसटी (अत्याचार रोकथाम) कानून के तहत मामला दर्ज कराया था। मामला दर्ज कराने वाले व्यक्ति ने एससी-एसटी कानून के तहत संरक्षण की मांग की थी। हालांकि जिन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया, उन्होंने इसे चुनौती दी और दावा किया कि पीड़ित ईसाई धर्म अपना चुका है। 30 अप्रैल 2025 को आंध्र प्रदेश

हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि ईसाई धर्म में जाति व्यवस्था नहीं है। ऐसे में पीड़ित व्यक्ति एससी-एसटी कानून के प्रावधानों का लाभ लेने का पात्र नहीं है। इसके बाद हाईकोर्ट ने एससी-एसटी एक्ट के तहत दर्ज धाराओं को खत्म करने का आदेश दिया था। हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफपेस्टर ने सुप्रीम कोर्ट में स्पेशल लीव पिटीशन दायर की। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस एनवी अंजारिया की पीठ ने कहा 'इस मामले में ये अहम नहीं है कि अपीलकर्ता ईसाई धर्म से अपने मूल धर्म में धर्मांतरित हो गया है या उसे उसके मूल समुदाय द्वारा स्वीकार किया गया है या नहीं। बल्कि सबूतों से ये सिद्ध होता है कि अपीलकर्ता ईसाई धर्म का पालन करता है और एक दशक से अधिक समय से बतौर पादरी काम कर रहा है। वह गांव के घरों में नियमित तौर पर रविवार को प्रार्थनाएं आयोजित करता है। इस तथ्यों से इस बात में कोई शक नहीं है कि घटना के समय वह ईसाई बना रहा।' अदालत ने आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट के फैसले को बरकरार रखते हुए कहा कि जो व्यक्ति हिंदू, सिख या बौद्ध धर्म के अलावा किसी अन्य धर्म को मानता है, वह अनुसूचित जाति का सदस्य नहीं माना जा सकता। यानी किसी अन्य धर्म को अपनाने पर शूद्र का दर्जा स्वत: समाप्त हो जाता सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि कोई भी व्यक्ति जो हिंदू, सिख या बौद्ध धर्म के अलावा किसी अन्य धर्म को मानता है।

ईसाई बनने पर एससी/ एसटी का दर्जा खत्म होगा

सुप्रीम कोर्ट ने अहम फैसले में कहा है कि जो व्यक्ति हिंदू धर्म से ईसाई धर्म में कन्वर्ट होता है, उसे अनुसूचित जाति का सदस्य नहीं माना जा सकता और वह एससी/एसटी अधिनियम, 1989 के तहत किसी भी संरक्षण का दावा नहीं कर सकता। यह फैसला जस्टिस पीके मिश्रा और जस्टिस ए वी अंजारिया की बेंच ने सुनाया। बेंच ने आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के आदेश को बरकरार रखा, जिसमें कहा गया था कि जो व्यक्ति ईसाई धर्म अपना चुका है और उसका सक्रिय रूप से पालन करता है, वह अनुसूचित जाति समुदाय का सदस्य नहीं रह सकता।

केजरीवाल के दावे से सियासी हड़कंप

2026 खत्म होने से पहले गिर जाएगी मोदी सरकार

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को दावा किया कि नरेंद्र मोदी 2026 तक प्रधानमंत्री के पद पर बने नहीं रह पाएंगे। उन्होंने कहा, मेरा दिल और राजनीतिक अनुभव कहता है कि मोदी और अमित शाह दोनों जाने वाले हैं। केजरीवाल ने यह भी कहा कि मोदी की लोकप्रियता अब काफी गिर चुकी है। केजरीवाल ने यह बयान दिल्ली में संजय राउत की किताब के लॉन्च कार्यक्रम के दौरान दिया। इस मौके पर दिग्विजय सिंह, कपिल सिब्बल और संजय सिंह सहित कई विपक्षी नेता मौजूद थे। केजरीवाल ने कहा

कि पहले अगर कोई नकारात्मक टिप्पणी आती थी तो उसे तुरंत हटवा दिया जाता था, लेकिन अब हालात बदल गए हैं। उनके मुताबिक, अब पीएम मोदी जब भी सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हैं तो कमेंट बॉक्स में बड़ी संख्या में आलोचनात्मक प्रतिक्रियाएं दिखाई देती हैं।

तय डेडलाइन 31 मार्च 2026 से करीब एक सप्ताह पहले खूंखार नक्सली का सरेंडर

एके-47 के साथ नक्सली पापाराव का सरेंडर... 18 नक्सलियों ने पुलिस के सामने डाले हथियार

बीजापुर। छत्तीसगढ़ से नक्सल खात्मे की तय डेडलाइन 31 मार्च 2026 से करीब एक सप्ताह पहले खूंखार नक्सली पापाराव ने मंगलवार को पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया। उसने आधुनिक हथियार एके-47 के साथ पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया। हालांकि आधिकारिक तौर पर पुलिस ने सरेंडर की पुष्टि नहीं की है। कल 25 मार्च को जगदलपुर में बस्तर आईजी सुंदरराज पी के सामने कुल 18 नक्सली सरेंडर करेंगे। 11 पुरुष और सात महिला नक्सली समेत कुल 18 नक्सलियों ने सरेंडर किया है। नक्सली अपने साथ 8 एके-47 और अन्य हथियार भी लेकर पहुंचे। उम्मीद है कि सरकारी कार्यक्रम में प्रदेश के मुखिया सीएम विष्णुदेव साय और गृहमंत्री विजय शर्मा भी शामिल हो सकते हैं। उनके सामने नक्सलियों के सरेंडर की आधिकारिक तौर पर घोषणा की जायेगी। सरेंडर करने वाले नक्सलियों में डीकेएसजेडसी मेंबर पापाराव समेत डीवीसीएम और एसीएम रैंक के नक्सली शामिल हैं। नक्सली कई किलोमीटर पैदल चलकर जंगल के रास्ते बीजापुर पहुंचे। फिर बस से नक्सलियों को जगदलपुर लाया

गया। बताया जाता है कि पापा राव एके-47 समेत कई आधुनिक हथियारों से लैस रहता है। वह वेस्ट बस्तर डिवीजन का सचिव और दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी (डीकेएसजेडसी) का सदस्य है। छत्तीसगढ़ के गृहमंत्री विजय शर्मा ने इस संबंध में बड़ा बयान देते हुए कहा कि नक्सली पापाराव के आत्मसमर्पण के साथ छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद खत्म होगा। अब छत्तीसगढ़ में बड़े कैडर का एक भी नक्सली नहीं बचा है। छत्तीसगढ़ सरकार ने उस पर 25 लाख रुपये का इनाम घोषित किया है। सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक, पापा राव को लेने के लिए पुलिस बल की टीम इंद्रावती नेशनल पार्क क्षेत्र के एक गोपनीय स्थान के लिए रवाना हो चुकी है। पापा राव लंबे समय से नक्सलियों का रणनीतिकार रहा है। वह कई बड़े नक्सली वारदात में शामिल रहा है। जिनमें कुटरू-बेदरे रोड पर हुआ आईईडी ब्लास्ट भी शामिल है। इसमें आठ जवान वीरगति को प्राप्त हुए थे। इस हमले का मास्टरमाइंड पापा राव को माना जाता है।

राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री पर बोला जोरदार हमला

भारत की विदेश नीति मोदी की निजी पॉलिसी-राहुल....

नई दिल्ली/ एजेंसी

कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने भारत की विदेश नीति को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की निजी पॉलिसी बताया। साथ ही उन्होंने कहा कि स्ट्रेटजल गलती हुई है। इसके अलावा राहुल ने पीएम मोदी पर अमेरिका और इजरायल की बात सुनने का भी आरोप लगाते हुए कहा कि पीएम मोदी गलती को ठीक कर ही नहीं सकते बल्कि वह तो अमेरिका जो कहेगा, इजरायल जो कहेगा वह करेंगे। राहुल गांधी का यह बयान ऐसे समय में आया जब पीएम

नरेंद्र मोदी राज्यसभा को संबोधित कर रहे थे। कल प्रधानमंत्री ने लोकसभा को संबोधित किया था। जहां उन्होंने बताया था कि भारत लगातार युद्ध के प्रभावित देशों में फंसे भारतीयों को निकाल रहा है। राहुल गांधी ने अपने बयान में यह साफ कहा कि हमारी विदेश नीति प्रधानमंत्री मोदी की निजी पॉलिसी बन गई है। अब यह एक यूनिवर्सल मज़ाक जैसा हो गया है, अगर हमारे प्रधानमंत्री कॉम्प्रोमाइज्ड हैं तो फॉरेन पॉलिसी कॉम्प्रोमाइज्ड है, हमारी क्या पोजीशन है? कोई पोजीशन नहीं है लोगों को इसका नुकसान होगा। अभी केवल शुरुआत हुई है। अभी सभी चीजों में परेशानी होगी, अमेरिका और इजराइल जो कहेगा प्रधानमंत्री मोदी वही करेंगे। पत्रकारों से बात करते हुए राहुल गांधी ने आगे कहा कि पीएम मोदी के इन कारणों के चलते ही आम जनता को मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा।

संसद में गूंजा रायपुर एम्स में डॉक्टर और स्टाफकी कमी का मुद्दा, सांसद फूलोदेवी नेताम ने बयां किया अस्पताल का हाल

रायपुर। रायपुर एम्स में डॉक्टरों एवं अन्य स्टाफ की कमी का मुद्दा राज्यसभा में गूंजा. कांग्रेस सांसद फूलोदेवी नेताम ने शून्यकाल के दौरान अस्पताल की माली हालत बयां करते हुए रिक्त पदों को शीघ्र भरते हुए बिस्तरों की संख्या बढ़ाने की मांग की, जिससे मरीजों को समय पर इलाज मिल सके. सांसद फूलोदेवी नेताम ने राज्यसभा में शून्य काल के दौरान रायपुर एम्स में डॉक्टरों एवं अन्य स्टाफकी कमी का मुद्दा उठाया. उन्होंने कहा कि यदि किसी मरीज को समय पर इलाज नहीं मिलता तो वह भी इलाज नहीं देने के समान ही माना जाता है. यही हाल रायपुर स्थित एम्स का है ।

हरीश राणा ने दिल्ली एम्स में ली आखिरी सांस

इच्छा मृत्यु पाने वाले पहले व्यक्ति का हुआ निधन.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारत में निष्क्रिय इच्छा मृत्यु की अनुमति पाने वाले पहले व्यक्ति हरीश राणा का 13 साल से अधिक समय तक कोमा में रहने के बाद एम्स दिल्ली में निधन हो गया। पिछले कुछ दिनों से डॉक्टरों की निगरानी में उनका न्यूट्रिशनल सपोर्ट धीरे-धीरे बंद कर दिया गया था। साथ ही उन्हें दर्द से राहत देने वाली दवाएं दी जा रही थीं जिससे उनकी अंतिम अवस्था बिना कष्ट के गुजर सके। लंबे समय से कोमा में रहने के कारण हरीश की हालत बेहद

गंभीर बनी हुई थी। मेडिकल टीम ने सभी कानूनी और चिकित्सकीय प्रक्रियाओं का पालन करते हुए उनकी देखभाल की और यह सुनिश्चित किया कि उनकी अंतिम बिना किसी दर्द के पूरी हो सके। दरअसल, हरीश राणा की लगातार बिगड़ती हालत और सुधार की कोई संभावना न होने पर उनके परिवार ने कानूनी रास्ता अपनाया। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने पैसिव यूथेनेशिया, यानी जीवन रक्षक उपकरण हटाने की अनुमति दे दी। अदालत ने माना कि गरिमा के साथ मृत्यु भी जीवन के अधिकार का अहम हिस्सा है। यह ऐतिहासिक फैसला भारत के चिकित्सा और कानूनी क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मिसाल बन गया, जिसने असाध्य बीमारियों से जूझ रहे मरीजों के लिए सम्मानजनक और शांतिपूर्ण विदाई का रास्ता खोला।

ईरान युद्ध जारी रहा तो गंभीर दुष्परिणाम होंगे

आने वाला समय देश की सबसे बड़ी परीक्षा लेगा-पीएम मोदी

नई दिल्ली/ एजेंसी

संकट पर पीएम नरेंद्र मोदी ने आज राज्यसभा को संबोधित किया। प्रधानमंत्री मोदी ने युद्ध के भारत पर प्रभाव और पश्चिम एशिया के हालात पर राज्यसभा में 21 मिनट बोले। पीएम मोदी ने कहा कि अमेरिका-इजराइल और ईरान युद्ध जारी रहा तो इसके गंभीर दुष्परिणाम होंगे। आने वाला समय देश की सबसे बड़ी परीक्षा लेने वाला है। इसमें राज्यों का सहयोग जरूरी है। टीम इंडिया की तरह काम करने होगा। एक दिन पहले पीएम ने लोकसभा में 25 मिनट की स्पीच दी थी। प्रधानमंत्री ने कहा कि ईरान, अमेरिका और इजरायल के साथ संपर्क में हैं। हमने हॉर्मुज स्ट्रेट खोले जाने पर भी ईरान से बात की है। कमर्शियल जहाजों पर हमला और हॉर्मुज स्ट्रेट में रुकावट अस्वीकार्य है। साथ ही भारत ने एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमले का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट में हमारे जहाज और भारतीय क्रू फंसा हुआ है। ये चिंताजनक है। हमारे व्यापार के रास्ते प्रभावित हो रहे हैं। गैस-तेल, फर्टीलाइजर्स जैसे जरूरी सामान की सप्लाई पर असर पड़ा है। पीएम मोदी ने कहा कि हमने होर्मुज स्ट्रेट खोले जाने पर बात की है। कमर्शियल जहाज पर हमला अस्वीकार है। भारत ने इस समस्या के समाधान के लिए संवाद का रास्ता सुझाया है। किसी के भी जीवन पर संकट मानवता के हित में नहीं है। पीएम ने कहा कि भारतीयों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। जंग शुरू होने से अबतक 3 लाख 75 हजार से ज्यादा भारतीय देश

लौट चुके हैं। ईरान से एक जहजार से अधिक भारतीय लौटे हैं। इनमें 700 से अधिक मेडिकल की पढ़ाई करने वाले हैं। सभी देशों ने वहां मौजूद भारतीय की सुरक्षा का भरोसा दिया है। हमलों के कारण कुछ भारतीयों की मौत हुई है। यह दुखद है। उनके परिवार को मदद दी जा रही है। जो घायल हैं उन्हें इलाज दी जा रही है। पीएम ने कहा कि पहले भारत में 27 देशों से एनर्जी इम्पोर्ट किया जाता था। आज 41 देशों से एनर्जी इम्पोर्ट किया जाता है। हमने कच्चे तेल के भंडार को भी प्राथमिकता दी है। बीते 10 साल में रिफ्लाइनिंग कैपेसिटी भी बढ़ाई गई है। देश को भरोसा देना चाहता हूं कि भारत के पास क्रूड ऑयल की निरंतर सप्लाई की व्यवस्था है। सरकार घरेलू गैस सप्लाई में एलपीजी के अलावा पीएनजी पर भी जोर दे रही है। एलपीजी के घरेलू उत्पादन को भी बढ़ाने का काम जारी है। पीएम मोदी ने कहा कि सरकार ने इंटर मिनिस्ट्रियल ग्रुप बनाया है, जो इम्पोर्ट और एक्सपोर्ट में आने वाली दिक्कतों का आकलन करता है। कोरोना के समय में अलग-अलग सेक्टर से निपटने के लिए अफसरों के एम्पॉवर्ड ग्रुप बने थे, वैसे ही अभी 7 एम्पावर्ड ग्रुप बने हैं। सरकार कोशिश कर रही है कि आने वाले बुआई के सीजन में किसानों को खाद मिलती रहे। सरकार ने खाद की सप्लाई के लिए तैयारी की है। किसानों को आश्वस्त करूंगा कि सरकार हर चुनौती के समाधान के लिए उनके साथ खड़ी है। ये राज्यों का सदन है।

सुरक्षित वतन लौटे 3.75 लाख भारतीय

खाड़ी देशों में रहने वाले लगभग एक करोड़ भारतीयों की सुरक्षा को सरकार ने अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता बताया है। प्रधानमंत्री ने सदन को कुछ महत्वपूर्ण आंकड़े भी दिए। युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक 3.75 लाख भारतीय सुरक्षित स्वदेश लौट चुके हैं। अकेले ईरान से 1,000 से अधिक भारतीयों को निकाला गया है, जिनमें 700 से ज्यादा मेडिकल छात्र शामिल हैं। होर्मुज स्ट्रेट में खड़े जहाजों में बड़ी संख्या में भारतीय क्रू मेंबर्स मौजूद हैं, जिनकी सुरक्षा के लिए सरकार गंभीर है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने हमेशा से समाधान के लिए 'संवाद' का रास्ता सुझाया है क्योंकि मानवता के हक में युद्ध कभी विकल्प नहीं हो सकता। उन्होंने बताया कि संकट शुरू होने के बाद से वे पश्चिम एशिया के अधिकांश देशों के नेतृत्व के साथ दो दौर की वार्ता कर चुके हैं।

अम्बूजा कम्पनी के सिक्योरिटी गार्ड द्वारा 12 साल के बालक को पटक पटक कर बेरहमी से मारपीट

भाटापारा। ग्राम रवान के अम्बुजा सीमेंट फैक्टरी के सिक्योरिटी गार्ड द्वारा 21 मार्च शाम के समय एक 12 साल के बालक को अम्बुजा सीमेंट फैक्टरी के परिसर के अंतर्गत पटक पटक कर मारने का विडियों वायरल हो रहा है साथ ही गाली गलौच करते हुये जान से मारने कि भी धमकी देने का रिपोर्ट बलौदाबाजार थाने मे उनके बडे भाई कार्तिक साहू द्वारा लिखाया गया है जिसमें उनके द्वारा उल्लेख किया गया है कि वहां व उनका पीड़ित भाई ग्राम रवान में रहता है जो कि मानसरोबर कालोनी गेट के आगे मुर्गा दुकान चलाता हूं। हम लोग 3 भाई 5 बहन हैं जिसमें से दिनेश्वर साहू 5 वें नंबर का भाई है जिसका उम्र 12 वर्ष है अपने साथी चुरू देवार के साथ अडानी सिमेंट कंपनी रवान के पास दरिहा तालाब के पार में आम का पेड़ लगा है जिसमें फल लगा हुआ है जिसे तोड़ने के लिए उनका भाई और साथी चुरू देवार गये थे वहीं पर अडानी कंपनी का सिक्योरिटी गार्ड श्रीराम पाण्डेय तूम राड चोरी करने आये हो कहकर मारपीट किये है। साथ में डियूटी कर रहे 02 अनय सिक्योरिटी गार्ड के द्वारा राड को चोरी करने आये हो कहकर गंदी गंदी गाली गलौच व जान से मारने की धमकी दे रहे थे। किसी ने मोबाईल से विडियो बनाया है। वह सिक्योरिटी गार्ड मेरे भाई दिलेश्वर साहू को मां बहन की गंदी गंदी अश्लील गाली गलौच कर जान से मारने की धमकी देते हुए उठा उठार जमीन पर पटकते दिखाई दे रहा है। उक्त सिक्योरिटी गार्ड के द्वारा मेर भाई को पटकने से सिर, कमर, दोनो हाथ, पैर में कमर में चोंट लगा है। घटना को मैं स्वयं तथा भैरा देवार देखे हैं व विडियो को बनाए हैं। एवं उक्त मामले मे रिपोर्ट लिखाते हुये कडी से कडी कार्यवाही का मांग किया गया वहीं बलौदाबाजार पुलिस द्वारा उक्त मामले मे धारा 296 ,351(2) व115(2) का धारा लगाया गया है।

जिला बलौदाबाजार राज्य सबसे बड़ा औद्योगिक क्षेत्र पर दर्ज नहीं होता मुसाफिरी : चन्दकांत यदु

जौहार छत्तीसगढ़ पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष चन्दकांत यदु ने बताया कि बलौदाबाजार भाटापारा जिला मे राज्य का सबसे बडा औद्योगिक केन्द्र स्थापित है जहाँ कई बडे सीमेंट कंपनी सहित कई अन्य स्पात कंपनियां है परंतु अन्य प्रदेशों से नौकरी करने के मकसद से आये हुये लोगों का कही कोई मुसाफिरी दर्ज नही कराया जाता, जिसके कारण कई बडे अपराधिक घटना व अप्रिय घटना होने पर कोई भी पतासाजी करने मे मुश्किलों का सामना करना पडता है जो सिक्योरिटी गार्ड मारपीट किये है, वह अन्य प्रदेश के है व 2 सिक्योरिटी गार्ड पकड से बाहर है। साथ ही ग्राम पंचायत मे बाहर प्रदेश से आकर कार्यरत मजदूर ठेकेदार का आधार कार्ड सहित जानकारी सम्बंधित थाना व पंचायत मे क्यों दर्ज नहीं कराया जाता, इस पर भी सवाल उठता है। जौहार छत्तीसगढ़ पार्टी उक्त मामले मे कलेक्टर से जल्द मुलाकात कर विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा कर व्यवस्था सुधार कि मांग रखेंगे।

रिपोर्ट दर्ज नही कराने के धमकी देने वाले के विरुद्ध कार्यवाही हेतु भी दिया आवेदन

अडानी अम्बूजा कम्पनी के सिक्योरिटी गार्ड द्वारा बड़ी बेरहमी से पटक-पटक कर मारपीट 21 मार्च शाम लगभग 6बजे किया जाना बताया गया था। उक्त घटना की रिपोर्ट दर्ज कराने मे कार्तिक साहू (पीड़ित के बडे भाई) थाना जा रहा था जिसे मेरे गांव के उप सरपंच रोहित वर्मा व प्रकाश लहरी द्वारा मेरे घर आकर रिपोर्ट नहीं लिखाने को कहा गया नही तो ठीक नहीं होगा, जिसके डर के कारण मै रिपोर्ट लिखाने नही थाना उस तिथि को नहीं जा पाया।

अपराधिक घटना मे 3 सिक्योरिटी गार्ड शामिल 1 को ही पकडा गया

उक्त मामले कि जानकारी लगते ही छत्तीसगढ़ क्रांति सेना के ब्लॉक अध्यक्ष खिलेन्द्र वैष्णव एवं जौहार छत्तीसगढ़ पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष चन्दकांत यदु अपने कार्यकताओं सहित पीड़ित को न्याय दिलाने हेतु सक्रिय हुये एवं वायरल विडियों मे दिख रहे अम्बूजा सीमेंट कंपनी 3 सिक्योरिटी गार्ड मे 1 को ही पकडे जाने पर अपत्ति जताया गया एवं जल्द बाकी 2 लोगों को पकड कडी कारवाई कि मांग किया गया।

दीप प्रज्वलित कर हुआ संभागीय सरस मेला 2026 का शुभारंभ

महिला स्व सहायता समूहों को मिला नया बाजार

कवर्धा । कवर्धा में आयोजित संभागीय सरस मेला 2026 का शुभारंभ पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ दीप प्रज्वलित कर किया गया। उप मुख्यमंत्री ने दीप जलाकर मेले का विधिवत उद्घाटन किया, जिससे पूरे आयोजन स्थल पर उत्साह और उल्लास का माहौल बन गया। सरदार पटेल मैदान में आयोजित इस मेले में ग्रामीण जीवन, संस्कृति और आत्मनिर्भरता की जीवंत झलक देखने को मिल रही है।

मेले में स्थानीय महिला स्व सहायता समूहों की भागीदारी विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। इन समूहों की महिलाओं द्वारा तैयार किए गए हस्तशिल्प, खाद्य सामग्री, पारंपरिक परिधान और सजावटी वस्तुओं को यहां प्रदर्शित किया गया है। इस मंच के माध्यम से महिलाओं को अपने उत्पादों के लिए व्यापक बाजार मिला है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होने की दिशा में सकारात्मक पहल हो रही है।

उप मुख्यमंत्री ने अपने उद्बोधन में कहा कि सरस मेला ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने महिला समूहों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि सरकार ऐसे आयोजनों के माध्यम से ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे लाने के लिए प्रतिबद्ध है। मेले में विभिन्न जिलों से आए स्व सहायता समूहों ने अपने-अपने स्टॉल लगाए हैं, जहां बड़ी संख्या में लोग पहुंचकर खरीदारी कर रहे हैं। इससे न केवल स्थानीय उत्पादों को पहचान मिल रही है, बल्कि ग्रामीण उद्यमिता को भी बढ़ावा मिल रहा है।

साथ ही, सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियों ने मेले को और भी आकर्षक बना दिया है। लोक कलाकारों के गीत और नृत्य ने दर्शकों का मन मोह लिया, जिससे पूरा वातावरण आनंदमय हो गया। संभागीय सरस मेला 2026 न केवल एक व्यापारिक मंच है, बल्कि यह महिला सशक्तिकरण, ग्रामीण विकास और सांस्कृतिक संरक्षण का सशक्त उदाहरण बनकर उभर रहा है। आने वाले दिनों में इस मेले से और अधिक लोगों के जुड़ने और लाभान्वित होने की उम्मीद है।

करियाटोला में 25 को कर्मा जयंती प्रदेशाध्यक्ष विधायक और नपंअध्यक्ष होंगे सम्मिलित

डोंगरगढ़ नगर। नगर पालिका क्षेत्र के करियाटोला वार्ड 9 में 25 मार्च को साहू समाज द्वारा मां कर्मा जयंती समारोह आयोजित है। उल्लेखनीय है कि मां कर्मा जयंती साहू समाज का प्रमुख पर्व है, जिसे हर वर्ष श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस आयोजन का उद्देश्य समाज में एकता और सांस्कृतिक परंपराओं को बढ़ावा देना है। आयोजकों के मुताबिक समारोह में प्रदेश अध्यक्ष साहू संघ डॉ.निरेंद साहू, विधायक दलेश्वर साहू एवं नगर पंचायत अध्यक्ष अंजू त्रिपाठी प्रमुख अतिथि बतौर के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिला महामंत्री डीकेश साहू करेंगे। इसके अलावा ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष टिकेश साहू, तहसील साहू संघ डोंगरगांव अध्यक्ष शिवराम साहू एवं नगर साहू संघ डोंगरगांव अध्यक्ष कौशल कुमार साहू भी विशेष अतिथि बतौर शामिल होंगे। समाज के अध्यक्ष शोभराय साहू ने बताया कि उक्त आयोजन में आसपास के गांवों से भी बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की संभावना है। सभी सामाजिकजनों से कार्यक्रम में उपस्थित होकर आयोजन को सफल बनाने की अपील की गई है।

निषाद समाज का वार्षिक सम्मेलन में विधायक साहू ने भवन और सीसी रोड की दी सौगात

बेमेतरा (बेरला)। ग्राम पंचायत लाटा में परिक्षेत्रीय निषाद समाज ढबा (बगीचा) का वार्षिक सम्मेलन बड़े ही हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में क्षेत्र भर से निषाद समाज के सैकड़ों लोग, माताएं-बहनें एवं युवा उत्साहपूर्वक शामिल हुए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बेमेतरा के लोकप्रिय एवं ऊर्जावान विधायक दीपेश साहू रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ निषाद समाज के प्रदेश उपाध्यक्ष बोधी राम निषाद ने की। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष हरिशंकर निषाद, सरपंच चंद्रकला होरी लाल यादव, जिलाध्यक्ष दिलीप निषाद, जिला संगठन सचिव रेवा राम निषाद, सहित अनेक गणमान्य जन उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक दीपेश साहू ने निषाद समाज की एकजुटता और सामाजिक जागरूकता की सराहना करते हुए कहा किसमाज की प्रगति का सबसे बड़ा आधार शिक्षा और संगठन है। जब समाज संगठित होकर शिक्षा को प्राथमिकता देता है, तब वह निश्चित रूप से विकास की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करता है। उन्होंने ग्राम लाटा में निषाद समाज के लिए 5 लाख रुपये की लागत से समाज भवन निर्माण की घोषणा की तथा विधिवत भूमि पूजन भी किया। इसके साथ ही ग्राम पंचायत की मांग पर दो सीसी रोड निर्माण कार्यों की स्वीकृति प्रदान करते हुए अन्य आवश्यक विकास कार्यों को भी प्राथमिकता के साथ पूरा करने का भरोसा दिलाया। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रदेश उपाध्यक्ष बोधी राम निषाद ने समाज की एकता और अनुशासन पर बल देते हुए कहा कि निषाद समाज आज पूरे छत्तीसगढ़ में एकजुट होकर आगे बढ़ रहा है और सभी को सामाजिक नियमावली का पालन करते हुए संगठित रहना चाहिए। उन्होंने समाज के समग्र विकास के लिए पांच महत्वपूर्ण संदेश दिए- परिवार में एकता, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, मातृभाषा एवं स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग, तथा नागरिक कर्तव्यों का पालन-जिन्हें अपनाकर समाज और राष्ट्र दोनों को सशक्त बनाया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान समाज के विकास, शिक्षा, सामाजिक एकता एवं सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण पर भी विस्तार से चर्चा की गई। सम्मेलन में उपस्थित जनसमूह ने विकास कार्यों की घोषणाओं का स्वागत करते हुए हर्ष व्यक्त किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से नेतराम निषाद, बिसनाथ निषाद, विनोद निषाद, सरस्वती निषाद, कौशल परधनिया सहित अनेक समाजसेवी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन दीपक निषाद द्वारा किया गया।

रास्ता रोककर आने जाने वाले लोगों के आवागमन को बाधित करने वालों के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध

राष्ट्रीय राजमार्ग को अवरुद्ध करना एक गंभीर कानूनी अपराध

बेमेतरा। बेमेतरा कवर्धा राष्ट्रीय राजमार्ग 30 में ट्रेक्टर ट्राली को रोड में खड़ा कर टेंट, मेट बिछाकर रास्ता रोका गया जिसके विरुद्ध पुलिस ने रास्ता रोककर आने जाने वाले लोगो के आवागमन को बाधित करने वालो के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध किया गया इस संबंध में पुलिस ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग को अवरुद्ध करना एक गंभीर कानूनी अपराध है। रास्ता रोककर आवागमन को बाधित कर आम नागरिकों को परेशान करने वालों को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सुबह करीबन 10:30 बजे ग्राम अगरी, तेंदो मोड के पास, कवर्धा बेमेतरा राष्ट्रीय राजमार्ग क्र 30 में गिरधर गढ़ेवाल, शिवसिंह चंद्राकर, कपिल चंद्राकर, मानसिंह चंद्राकर, डिकेश चंद्राकर एवं अन्य लोग सभी निवासी ग्राम करही जो बड़ी संख्या मे कवर्धा बेमेतरा जाने राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 30 के पक्की सड़क में चार ट्रेक्टर, ट्राली एवं टेंट लगाकर, मेट बिछाकर राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 30 को रोककर आने जाने वाले लोगो के आवागमन को बाधित कर दिये थे उसी दौरान तुकाराम चंद्रवंशी निवासी कवर्धा के आये और उन्ही लोगो के साथ रास्ते मे बैठकर सहयोग किया है जिससे सुबह 10.30 बजे से शाम करीबन 04.30 बजे तक आने जाने वाले लोगो को असुविधा हो रही थी एवं रोड के दोनो तरफ आने जाने वाली वाहनो व लोगो की जाम लग गई थी। जिस पर थाना खम्हरिया में अपराध सदर धारा 189(2), 126(2) बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। राष्ट्रीय राजमार्ग क अवरूद्ध करने वालो पर कार्यवाही की जाएगी। राष्ट्रीय राजमार्ग को अवरुद्ध करना एक गंभीर कानूनी अपराध है मुख्य मार्ग बाधित होने से आम नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। बेमेतरा पुलिस ने स्पष्ट किया कि अब सांकेतिक प्रदर्शन की आड़ में किसी भी प्रकार के नियम का उल्लंघन करने और रास्ता रोककर आवागमन को बाधित कर आम नागरिकों को परेशान करने वालों को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

कलेक्टर प्रतिष्ठा ने जनदर्शन में सुनी आमजन की समस्याएं, 44 आवेदन प्राप्त

बेमेतरा। जिले के नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई के द्वारा कलेक्टरेट स्थित दृष्टि सभा कक्ष में जनदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जनदर्शन में जिले के विभिन्न अंचलों से आए नागरिकों ने अपनी मांगों, समस्याओं एवं शिकायतों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। जनदर्शन के दौरान कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई ने प्रत्येक आवेदक की समस्या को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को मौके पर बुलाकर एवं दूरभाष के माध्यम से चर्चा कर कई प्रकरणों का तत्काल निराकरण कराया। प्रशासन की तत्परता के चलते कई नागरिकों की समस्याओं का समाधान मौके पर ही कर दिया गया।

9 जुआडियों से 1,43,380 रूपये, 12 नग मोबाईल जब्त

बेमेतरा । अपराध एवं अवैध गतिविधियों पर लगातार प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी क्र में साइबर सेल प्रभारी निरीक्षक मयंक मिश्रा, चौकी प्रभारी देवकर उप निरीक्षक अलील चंद एवं साइबर सेल व चौकी देवकर पुलिस टीम द्वारा जरिए मुखबिर सुचना पर मंगल भवन के पीछे बगीचा नदी के किनारे देवकर में रेड कार्यवाही कर 09 जुआड़ी से नगदी रकम 1,43,380/- रूपये, विभिन्न कंपनी के 12 नग मोबाईल कीमती 95,000/- रूपए, कुल जुमला 2,38,380/-रूपए एवं 52 पत्ती तास जप्त को जप्त किया गया। साइबर सेल एवं चौकी देवकर पुलिस टीम को सूचना मिली कि मंगल भवन के पीछे बगीचा नदी के किनारे देवकर आम जगह में कुछ लोग रूपये पैसे का दांव लगाकर काट पत्ती नामक जुआ खेल रहे है कि सुचना पर साइबर सेल एवं चौकी देवकर पुलिस टीम के द्वारा मंगल भवन के पीछे बगीचा नदी के किनारे देवकर में पहुच कर सुचना के अधार पर रेड कार्यवाही किया गया, रेड कार्यवाही के दौरान कुछ लोग पुलिस को आते देखकर भाग निकले मौके पर 09 जुआड़ी पकड़े गए। जुआडियों के पास एवं फड़ से कुल जुमला नगदी रकम 1,43,380/- रूपये, विभिन्न कंपनी के 12 नग मोबाईल कीमती 95,000/- रूपए, कुल जुमला 2,38,380/-रूपए एवं 52 पत्ती तास जप्त को जप्त किया गया। इस संपूर्ण कार्रवाई में साइबर सेल प्रभारी निरीक्षक मयंक मिश्रा, चौकी प्रभारी देवकर उप निरीक्षक अलील चंद, सउनि छोटेलाल बंजारे, साइबर सेल प्रधान आरक्षक योगेश यादव, आरक्षक संजय पाटिल, नुरेश वर्मा, संतोष धीवर, जयकिशन साहू, रेखन साहू, चौकी देवकर से प्रधान आरक्षक ललित केरकेट्टा, आरक्षक मनीष वर्मा, भूषण मारकंडेय, मुकेश पाल, दीपक राजपूत सहित अन्य स्टाफ की महत्वपूर्ण योगदान रहा।

संयुक्त खदान मजदूर संघ एटक का 6 वां सम्मेलन 4 व 5 अप्रैल को

दल्लीराजहरा । संयुक्त खदान मजदूर संघ एटक का 6 वां छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय सम्मेलन 4 अप्रैल एवं 5 अप्रैल 2026 को दल्ली राजहरा में संपन्न होगा। राज्य स्तरीय सम्मेलन में दो दिवसीय आयोजन होगा। जिसमें 4 अप्रैल 2026 को संध्या 4 बजे संयुक्त खदान मजदूर संघ (एटक) से संबंधित सभी ठेका श्रमिक एवं नियमित कर्मचारियों का विशाल बाइक रैली संपन्न होगी, रैली के उपरांत विशाल आमसभा होगी। रैली संयुक्त खदान मजदूर संघ (एटक) कार्यालय से निकलकर पुराना बाजार होते हुए बस स्टैंड चौक से टाउनशिप घूमते हुए कार्यालय वापस आएगी। जहां कार्यालय में आमसभा होगी जिसको एटक की राष्ट्रीय महासचिव कामरेड अमरजीत कौर संबोधित करेंगी। 5 अप्रैल को संयुक्त खदान मजदूर संघ एटक के विभिन्न क्षेत्र से आए हुए प्रतिनिधियों (डेलीगेट्स) का अधिवेशन होगा।

भागवत कथा मनोरंजन की वस्तु नहीं है मोक्ष व ईश्वर प्राप्ति का साधन है: शास्त्री

बेमेतरा। ग्राम मजगांव जिला बेमेतरा मे आयोजित श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह के अंतर्गत आचार्य पंडित झम्मन शास्त्री महाराज ने कहा कि मानव जीवन बड़ा ही दुर्लभ जीवन है। यह बड़े सौभाग्य से प्राप्त होता है तथा मनुष्य जीवन में ही परमात्मा तत्व की प्राप्ति सुलभ हो सकती है। भागवत कथा का आनंद भी इस मनुष्य जीवन में ही जीव को प्राप्त होता है। अन्य योनियों में नहीं क्योंकि मनुष्य भजन, दान, पूजन, जप, तप इत्यादि करने में सक्षम है। इस मृत्यु लोक में सांसारिक सुख साधनों का भोग करता हुआ। सेवा दान भजन द्वारा परलोक में काम आने वाला पुण्य भी कमा लेता है। जिन पुण्य के द्वारा परलोक से सुख भोंकते हुए परमात्मा की प्राप्ति कर लेता है। जरूरी नहीं है जो कुछ मनुष्य ने संग्रह किया वह भोग स्वरूप प्राप्त हो क्योंकि वह कभी भी मृत्यु का ग्रास बन सकता है। इसलिए मनुष्य को सेवाधर्म, दान, भजन के द्वारा अपने जीवन को सार्थक कर लेना चाहिए। क्योंकि यह जीवन बड़ा ही अनमोल है वैसे ही गज, ग्राह, गणिका भी श्री हरि के नाम के प्रभाव से मुक्ति को प्राप्त किये ।आज राम नाम नृसिंह भगवान है। कलयुग हिरण्यकश्यप के समान है। जप करने वाला मनुष्य प्रहलाद के समान है। कलयुग में दान की विशेष महत्व बताते हुए महाराज ने बली की दानवीरता का वर्णन किया प्रहलाद के पौत्र महाराज बलि ने भगवान श्री वामन को अपना सर्वस्व अर्पण कर दिया। समग्र समर्पण करने वाले के यहां स्वयं भगवान ही उनके रक्षक बनकर रहते हैं। सुतल लोक में आज भी भगवान उनके द्वारपाल है। जहां स्वयं माता लक्ष्मी भी मनुष्य वंश में बली को भाई के रूप में सूत्र बांधकर दक्षिणा के रूप में अपने पति भगवान श्री नारायण को मांगने गई थी। जीवन में उपासना करने वालों को मां लक्ष्मी के साथ साथ भगवान श्री नारायण की उपासना करनी चाहिए ।हमारे यहां एक-एक अवतार के एक-एक पुराण की रचना हुई है। इस कथा का विस्तार वामन पुराण में तथा मत्स्य पुराण में है आचार्य शास्त्री कथा भाग के चतुर्थ दिवस में समुद्र मंथन एवं वामन अवतार की कथा सुनाएं कहां की भागवत कथा आयोजन कोई मनोरंजन की वस्तु नहीं है। यह मोक्ष और ईश्वर प्राप्ति का साधन है। लेकिन आजकल के व्यास पीठ की मर्यादाएं लाग रहे हैं। श्रीमद् भागवत जैसे पुण्य ग्रंथ को मनोरंजन का साधन बनाकर नाच गाना कर रहे हैं। इसके लिए श्रद्धालु दोषी नहीं है। व्यास पीठ के महत्व नहीं समझना यह दोषपूर्ण है। भागवत श्रद्धा का विषय है। इसे शुद्ध हृदय से सांसारिक बंधनों को छोड़कर सुनना चाहिए उन्होंने आगे कहा कि श्रीमद् भागवत कथा को सुनने और सुनने वाले दोनों को इसके प्रति अटूट आस्था और प्रेम होना चाहिए। तभी आयोजन की सार्थकता है।

स्वेच्छानुदान निधि से मिली 20 हजार की आर्थिक सहायता

दल्लीराजहरा । नगर पालिका प्लेसमेंट कर्मचारी को विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के स्वेच्छानुदान निधि से मिली 20 हजार की आर्थिक सहायता। ज्ञात रहे कि नगर पालिका परिषद के प्लेसमेंट कर्मचारी नागेन्द्र तिवारी के कार्यालय में दुर्घटनाग्रस्त हो जाने के कारण उनकी आर्थिक स्थिति अत्यंत दयनीय हो गई थी। इस परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए नगर पालिका अध्यक्ष तोरण साहू , उपाध्यक्ष मनोज दुबे एवं समस्त पार्षदों द्वारा सहयोग हेतु पहल की गई। सभी जनप्रतिनिधियों के अनुरोध पर जिला भाजपा महामंत्री सौरभ लूनिया के प्रयासों से विधानसभा अध्यक्ष को स्वेच्छानुदान निधि से 20, हजार रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत कराई गई, जो पीड़ित कर्मचारी को प्रदान की गई। इस सहयोग के लिए नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष उपाध्यक्ष एवं सभी पार्षदों ने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह एवं जिला महामंत्री सौरभ लूनिया के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया है।

संक्षिप्त समाचार

लाठी-डंडों से पीटकर हत्या, एक गिरफ्तार

रायपुर। बिलासपुर के कोटा इलाके में मामूली विवाद ने खौफनाक रूप ले लिया। 52 वर्षीय मोहन पांडे की लाठी-डंडों और मुक्कों से बेरहमी से पिटाई कर हत्या कर दी गई। घटना के बाद पुलिस ने तेजी दिखाते हुए मुख्य आरोपी को दबोच लिया है, जबकि बाकी हमलावरों की तलाश में टीमें ताबड़तोड़ छापेमारी कर रही हैं। कोटा थाना क्षेत्र के करगी खुर्द से जुड़ा यह मामला इलाके में सनसनी फैला गया है। मृतक मोहन पांडे, जो वर्तमान में गनियारी भादम में रह रहे थे, पर आरोपी राजाराम साहू और उसके साथियों ने मिलकर अचानक हमला कर दिया। लाठी-डंडों और हाथ-मुक्कों से की गई इस बेरहमी भरी मारपीट में मोहन पांडे ने दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही कोटा पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और हालात को संभाला। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी 21 वर्षीय राजाराम साहू को हिरासत में ले लिया। वहीं, घटना में शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग टीमों का गठन कर दबिश दी जा रही है। इस हिंसक हमले में शरद कौशिक नाम का एक अन्य व्यक्ति भी गंभीर रूप से घायल हुआ है, जिसे तत्काल उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसकी हालत पर पुलिस लगातार नजर बनाए हुए है। मौके पर एफएसएल टीम को भी बुलाया गया है, जो साक्ष्य जुटाने में लगी हुई है। घटनास्थल की बारीकी से जांच की जा रही है ताकि केस को तकनीकी रूप से मजबूत बनाया जा सके और आरोपियों के खिलाफ पुख्ता सबूत पेश किए जा सकें। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी और मृतक एक ही इलाके के रहने वाले हैं और किसी बात को लेकर विवाद इतना बढ़ गया कि उसने जानलेवा रूप ले लिया। पुलिस अब पूरे घटनाक्रम की कड़ियां जोड़ने में जुटी है और अन्य संलिप्त लोगों की भूमिका खंगाली जा रही है।

मातंगी मैया की कृपा से 610 भटके अपने सनातनी पुरखो से संयुक्त हुए

रायपुर। पूजनीय प्रेमा साईं महाराज जी के असीम अनुकम्पा से हिन्दू नववर्ष, चैत्र नवरात्र प्रतिपदा के पावन अवसर पर धर्म जागरण समन्वय के तत्वाधान में श्री सिद्ध हनुमान मंदिर सक्ति में धर्म और संस्कृति की पुनर्स्थापना हेतु पूज्य पिताश्री कुमार दिलीप सिंह जूदेव जी द्वारा प्रारंभ किए गए घर वापसी अभियान की प्रेरणा से 610 धर्मान्तरित सदस्यों की विधि-विधान, वैदिक मंत्रोच्चारण एवं चरण पखारकर पुनः सनातन धर्म में सम्मानपूर्वक घर वापसी कराई गई। यह क्षण उन सभी परिवारों के लिए अपनी जड़ों, परंपराओं और असली पहचान से पुनः जुड़ने का भावपूर्ण अवसर रहा। अखिल भारतीय घर वापसी अभियान के प्रमुख श्री प्रबल प्रताप सिंह जूदेव नें स्वयं सभी परिवारों के चरण पखारकर उनकी घर वापसी कराई. यह केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि सनातन धर्म की महानता, समावेशी भावना और सांस्कृतिक जागरण का प्रतीक है। सभी नें संकल्प लिया कि राष्ट्र की सुरक्षा एवं सनातन के संरक्षण हेतु घर वापसी अभियान को निरंतर आगे बढ़ाता रहेंगे , जब तक अंतिम व्यक्ति भी अपनी सनातन पहचान से पुनः न जुड़ जाए। इस पुण्य कार्य में सहयोग करने वाले पूज्य प्रेमा साईं महाराज जी, सुधीर गौतम जी, राजकुमार चंद्रा जी, अंजू गबेल जी, अवतार अग्रवाल जी, टिकेश्वर गबेल जी, अन्नपूर्णा राठौर जी , राजेंद्र राठौड़ जी , आयुष शर्मा जी, महेश साहू जी, रूपेंद्र गबेल जी, संतोषी सिंह जी, कुंती जांगड़े जी, पूजा राठौर जी, विजय जायसवाल जी एवं सभी संतजन, धर्मप्रेमी बंधु-भगिनी एवं आयोजन समिति का हृदय से आभार।

महंगाई और घरेलू गैस संकट को लेकर महिला कांग्रेस का धरना-प्रदर्शन

रायपुर। जिला मुख्यालय बीजापुर में महिला कांग्रेस के नेतृत्व में बड़ी संख्या में बहनों-माताओं ने घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर की कमी और बेकाबू महंगाई के खिलाफ धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में बीजापुर के विधायक विक्रम मंडावी सहित तमाम कांग्रेसी और महिला कांग्रेस के कार्यकर्ता शामिल होकर घरेलू गैस सिलेंडर की कमी और बढ़ती महंगाई के विरोध में भाजपा और मोदी सरकार की नीतियों को लेकर विरोध जताते हुए नारेबाज़ी की गई। महिला कांग्रेस ने कहा कि मोदी सरकार के 12 साल के शासन में उज्ज्वला योजना का ढोंग पूरी तरह बेनकाब हो चुका है। गरीब महिलाओं को मुफ्त सिलेंडर देने के बड़े-बड़े वादे करके वोट लिए गए, लेकिन आज बाजार में सिलेंडर की कालाबाजारी हो रही है और ब्लैक में 2500-3000 रुपये तक बिक रहे हैं। घरेलू गैस की आपूर्ति ठप है, डीलरों के पास सिलेंडर नहीं हैं, और आम आदमी की रसोई में चूल्हा जल नहीं पा रहा। बच्चे भूखे सो रहे हैं, महिलाएं लकड़ी के धुएं में खाना बनाने को मजबूर हैं, यह है भाजपा और मोदी सरकार की हकीकत! महिला कांग्रेस ने प्रदर्शन करते हुए आगे कहा कि यह संकट केवल बीजापुर तक सीमित नहीं है पूरे राज्य में महिलाएं सड़कों पर उतर आई हैं। भाजपा और मोदी सरकार की नाकामी, कच्चे तेल पर निर्भरता और भ्रष्टाचार के कारण देश में बेरोजगारी और महंगाई लगातार बढ़ती जा रही है इसके साथ ही साथ घरेलू गैस संकट से रसोई का बजट पूरी तरह गड़बड़ा गई है। फिर भी देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार चुप हैं मोदी सरकार का कोई जवाब नहीं, कोई राहत नहीं!

छत्तीसगढ़ शासन खेलों को विशेष प्राथमिकता दे रही है -बाइचुंग भूटिया

खिलाड़ी लगन के साथ कड़ी मेहनत करें,सफलता जरूर मिलेगी

■ आने वाले समय में ऐसी खेल प्रतियोगिताओं के माध्यम से प्रदेश के खिलाड़ी भी देश के लिए मेडल जीतकर लाएंगे- मंत्री श्री रामविचार नेताम

रायपुर/ संवाददाता

सरगुजा ओलम्पिक 2026 के संभाग स्तरीय प्रतियोगिताओं का शानदार समापन सोमवार को पीजी कॉलेज ग्राउण्ड अम्बिकापुर में हुआ। समापन समारोह में भारतीय फुटबाल टीम के पूर्व कप्तान, पद्मश्री एवं अर्जुन अवार्ड से सम्मानित श्री बाइचुंग भूटिया शामिल हुए। उन्होंने खिलाड़ियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि मैं आज यहाँ सिक्किम से आप सभी खिलाड़ियों में जोश की भावना सिंचित करने आया हूं। आप सबको मैं एक ही मैसेज देना चाहता हूं कि आप लोग लगन के साथ कड़ी मेहनत करें, सफलता जरूर मिलेगी। मुझे खुशी है कि छत्तीसगढ़ शासन खेलों को विशेष प्राथमिकता दे रही है। इसका असर हमें जरूर दिखेगा और छत्तीसगढ़ के युवा खेलों में देश का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि मैं भी ट्राइबल लड़का हूँ और सिक्किम के छोटे से गाँव से आता हूं। वहाँ से निकलकर मुझे भारत के लिए खेलने का मौका मिला है, यह मैटर नहीं करता कि आप कहां से हैं जबकि आपकी प्रतिभा और मेहनत आपको आगे लेकर जाती है। मुझे भरोसा है कि आने वाले समय मे छत्तीसगढ़ से भी बहुत से खिलाड़ी ओलम्पिक मेडल लेकर आएंगे और देश का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने खिलाड़ियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं, वहीं शासन प्रशासन को धन्यवाद दिया। कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने कहा कि किसी काम को पूरा करने में अगर पूरी जुनून, लगन और अनुशासन हो, तो निश्चित ही आपको सफलता मिलेगी। हमारी छत्तीसगढ़ सरकार ने युवाओं को अवसर दिया है, आज छत्तीसगढ़ के हर कोने से खिलाड़ी निकलकर आ

रहे हैं। आपको जो प्लेटफार्म मिला है, इसका भरपूर उपयोग करें और आगे आएं। हमें गर्व होता है कि सरगुजा अंचल में ऐसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं, जो राष्ट्रीय मंच पर अपना एक जलवा बिखेर चुके हैं। निश्चित ही आने वाले समय में भी इन खेलों के माध्यम से प्रदेश के खिलाड़ी भी देश के लिए मेडल जीतकर लाएंगे। उन्होंने सभी विजेता खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि सरगुजा ओलम्पिक का सफल आयोजन आज यहां सम्पन्न हुआ। यह सरगुजा सम्भाग के खिलाड़ियों के लिए सौभाग्य की बात है कि उन्हें अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने का अवसर इस पूरे आयोजन में मिला है। उन्होंने कहा कि सरगुजा ओलम्पिक में 12 विधाओं में प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं है, हमारा प्रयास रहेगा कि आगामी आयोजन में सरगुजा जिले के अन्य पारम्परिक खेलों को भी इसमें शामिल किया जाए। उन्होंने सभी जिलों से आए खिलाड़ियों को बधाई दी तथा विजेता खिलाड़ियों को भी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि 26 मार्च से अब खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स का शुरुआत होगा जिसमें रायपुर सहित बस्तर सरगुजा में भी खेल आयोजित होंगे। कार्यक्रम में खेल एवं युवा कल्याण विभाग की संचालक श्रीमती तनुजा सलाम ने समापन समारोह में सरगुजा ओलम्पिक 2026 के पूरे आयोजन की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने सरगुजा ओलम्पिक के शानदार सफल आयोजन के लिए सभी को शुभकामनाएं दीं। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरूपा सिंह, महापौर श्रीमती मंजूषा भगत, सभापति श्री हरमिंदर सिंह टिन्नी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री देवनारायण यादव, सरगुजा सम्भागायुक्त श्री नरेन्द्र कुमार दुग्गा, कलेक्टर श्री अजीत वसंत, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री राजेश अग्रवाल, जिला पंचायत सीईओ श्री विनय अग्रवाल, स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी-कर्मचारी, खिलाड़ी एवं कोच उपस्थित रहे।

बीमा पॉलिसी के नाम पर फर्जी कॉल का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

रायपुर/ संवाददाता

बीमा पॉलिसी के नाम पर करोड़ों की ठगी करने वाला अंतरराज्यीय गिरोह आखिरकार बेनकाब हो गया। रायपुर पुलिस ने इस हाईटेक फ्रॉड के फरार मास्टरमाइंड को दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया है—एक ऐसा नेटवर्क, जो फेन कॉल, फर्जी दस्तावेज और बैंक खातों के जरिए लोगों की जिंदगीभर की जमा पूंजी साफ कर रहा था। रायपुर के मुजगहन इलाके से शुरू हुई एक शिकायत ने देशभर में फैले ठगी नेटवर्क का पर्दाफाश कर दिया। ग्राम कांदुल निवासी परमजीत सिंह चड्ढा को बीमा पॉलिसी मैच्योर होने का झांसा देकर 9 लाख 60 हजार रुपये की ठगी की गई थी। आरोपियों ने खुद को बैंक और बीमा अधिकारी बताकर इतनी सफाई से जाल बुना कि पीड़ित को लंबे समय तक शक हो नहीं हुआ। घटना के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की और पहले ही गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया था। लेकिन इस पूरे रैकेट का मास्टरमाइंड जितेन्द्र कुमार उर्फ राजीव फरार चल रहा था, जो पर्दे के पीछे से पूरे ऑपरेशन को कंट्रोल कर रहा था। एण्टी क्राइम और साइबर यूनिट के साथ मुजगहन पुलिस की संयुक्त टीम ने लगातार दबिश और तकनीकी जांच के जरिए आरोपी की लोकेशन ट्रेस की। आखिरकार दिल्ली में छिपे मास्टरमाइंड को गिरफ्तार कर लिया गया। उसके कब्जे से एक मोबाइल फोन भी जब्त किया गया है, जिसमें ठगी से जुड़े अहम सुराग मिले हैं। गिरफ्तार मास्टरमाइंड का नाम जितेन्द्र कुमार उर्फराजीव है, जिसकी उम्र 35 वर्ष है और वह वसुंधरा, गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) का निवासी है। इससे पहले इस गिरोह के तीन अन्य सदस्य भी पकड़े जा चुके हैं, जिनमें अनिल कुमार (37 वर्ष), निवासी हयान एन्क्लेव, लोनी देहात, गाजियाबाद; अजय तिवारी (33 वर्ष), निवासी राहुल विहार, विजय नगर, गाजियाबाद; और रिंकू सिंह (42 वर्ष), निवासी शालिमार गार्डन, साहिबाबाद, गाजियाबाद शामिल हैं। ये सभी मिलकर संगठित तरीके से देशभर में ठगी को अंजाम दे रहे थे। जांच में सामने आया कि गिरोह फर्जी कॉल सेंटर के जरिए देशभर में लोगों को निशाना बनाता था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हर क्षण विकसित भारत के संकल्प को समर्पित है : पांडेय

रायपुर। भाजपा सांसद व मुख्य प्रवक्ता संतोष पांडेय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के लोकतांत्रिक व्यवस्था में 8931 दिनों तक विभिन्न दायित्वों का निर्वाहन ऐतिहासिक है। उनकी यह यात्रा विकसित भारत के संकल्प को समर्पित है। प्रधानमंत्री मोदी ने देश की राजनीति में सेवा, सुशासन और पारदर्शिता की नई परंपरा स्थापित की है, जिसका सीधा लाभ देश के करोड़ों नागरिकों को मिला है। सांसद श्री पांडेय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लगातार राष्ट्र का विकास हो रहा है। बुनियादी ढांचे के अभूतपूर्व विस्तार, डिजिटल क्रांति, स्टार्टअप संस्कृति और आत्मनिर्भर भारत जैसे अभियानों के माध्यम से वैश्विक स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बनाई है।

अंत्योदय का संकल्प

करीब 5 लाख भूमिहीन परिवारों को 500 करोड़ रुपये की सौगात

■ 22 हजार से अधिक बैगा-गुनिया परिवार होंगे लाभान्वित

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ की ग्रामीण अर्थव्यवस्था के शिल्पकार भूमिहीन कृषि मजदूर अब आर्थिक सुरक्षा के एक नए युग में प्रवेश कर रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार की 'दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना' न केवल एक वित्तीय सहायता कार्यक्रम है, बल्कि यह समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति को सम्मानजनक जीवन देने का एक महायज्ञ भी है। इस योजना के तहत इस साल 4,95,965 भूमिहीन हितग्राहियों के खाते में सीधे 10,000 रुपये की धनराशि प्रत्येक हितग्राही के मान से अंतरित की जाएगी। इसके लिए राज्य सरकार की ओर से 495 करोड़ 96 लाख 50 हजार रुपये की राशि का प्रावधान किया गया है। इस सूची में 22 हजार 28 बैगा और गुनिया परिवार भी शामिल हैं, जो राज्य की सांस्कृतिक और पारंपरिक विरासत के रक्षक हैं। राज्य सरकार ने पिछले वर्ष भी इस योजना के माध्यम से रिकॉर्ड सहायता प्रदान की थी। साल 2025 में कुल 5,62,112 हितग्राहियों को 10,000 रुपये के हिसाब से 562 करोड़ 11 लाख 20 हजार रुपये की राशि वितरित की थी। आंकड़ों का यह निरंतर प्रवाह दर्शाता है कि राज्य सरकार भूमिहीन परिवारों के आर्थिक सुदृढ़ीकरण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। 25 मार्च को बलौदाबाजार की धरती से जब मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय राशि अंतरित करेंगे, तो वह छत्तीसगढ़ के 'न्याय और सुशासन' की गूंज होगी।

धर्म स्वातंत्र्य विधेयक छत्तीसगढ़ के सर्व समाज के लिए हितकारी

रायपुर। संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रबल प्रताप सिंह जूदेव ने विधानसभा सत्र के दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा को विधानसभा में धर्म स्वातंत्र्य विधेयक संशोधन पारित करने के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि धर्म स्वातंत्र्य विधेयक सर्व समाज के लिए हितकारी है।उन्होंने कहा कि उनके पिता स्व. दिलीप सिंह जूदेव ने हमेशा धर्मांतरण को रोकने का प्रयास किया जो आज प्रदेश की भाजपा सरकार ने धर्म स्वातंत्र्य विधेयक पारित कर उनके सपनों को साकार करने का महती प्रयास किया है और उन्हें श्रद्धांजलि दी हैं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष जूदेव ने कहा कि धर्म स्वातंत्र्य विधेयक पारित होने से न केवल जनजाति समाज बल्कि प्रदेश की पूरी जनता को इसका लाभ होगा और वहीं धर्मांतरण कराने वालों पर तत्काल कार्यवाही की जाएगी। इस कानून को पारित होने से अब जनजाति सहित सभी समाज के सांस्कृतिक विरासत एवं संस्कृति को पुनः सम्मान मिलेगा साथ ही समाज के लोगों को अब प्रलोभन, दबाव एवं भ्रमित कर धर्मांतरित नहीं किया जा सकेगा। उन्होंने अपने स्वर्गीय दिलीप सिंह जूदेव जी का स्मरण करते हुए कहा कि प्रदेश में धर्मांतरण रोकने के लिए स्व. दिलीप सिंह जूदेव जी ने आजीवन प्रयास किया और घर वापसी अभियान का जमीनी कार्यक्रम लगातार उनके द्वारा चलाया गया, जो अभी तक चल रहा । उन्होंने कहा कि धर्म स्वातंत्र्य विधेयक पारित होने के लिए स्व. दिलीप सिंह जूदेव का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। वनवासी कल्याण आश्रम के संस्थापक पूज्य बालासाहेब देशपांडे जी एवं स्वामी अमरानंद जी के मार्गदर्शन में दिलीप सिंह जूदेव जी नें घर वापसी अभियान, लम्बी पदयात्राए एवं सनातन जनजागरण आंदोलन जैसे अनेकानेक कार्यक्रम चलाकर पहले ही इसका संकेत दे दिया था। उन्होंने विधानसभा में इस अत्यधिक प्रतीक्षित और अत्यंत आवश्यक धर्म स्वातंत्र्य संशोधन विधेयक के पारित किए जाने पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी एवं उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा जी एवं छत्तीसगढ़ सरकार का आभार व्यक्त माना। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष जूदेव ने कहा कि मैं लगातार अपने स्व. पिता दिलीप सिंह जूदेव जी के सपने को साकार करने निरंतर प्रयासरत रहूंगा।

एसीबी,ईओडब्ल्यू का अधिकारी बताकर पीडब्ल्यूडी के पूर्व अधिकारी को लगा दिया 10 लाख की ठगी

रायपुर। रायपुर पुलिस के पास अजीबो-गरीब मामला सामने आया, जिसमें परिचित ने ही खुद को एसीबी - ईओडब्ल्यू का अधिकारी बताकर लोक निर्माण विभाग के पूर्व अधीक्षण अभियंता को 9.50 लाख रुपए का चूना लगा दिया. पुलिस ने मामला सामने आने के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. जानकारी के अनुसार, थाना राखी में पीडब्ल्यूडी के पूर्व अधीक्षण अभियंता देवलाल सिंह टेकाम ने शिकायत दर्ज कराई थी. उसने बताया था कि 28 जनवरी 2026 को उसके मोबाइल नंबर पर काल आया था. सामने वाले ने खुद को एसीबी-ईओडब्ल्यू का अधिकारी बताते हुए उनके खिलाफ भ्रष्टाचार की शिकायत दर्ज होने की बात कही. फोन कॉल आने के बाद से देवलाल सिंह टेकाम डर गए और इसकी जानकारी अपने परिचित धर्मेन्द्र चौहान को दी. धर्मेंद्र चौहान ने देवलाल सिंह टेकाम को तत्काल दोनों नंबर को ब्लॉक करने की सलाह दी. धर्मेंद्र ने देवलाल से कहा कि वो चिंता न करें, सब ठीक कर देगा. इसके बाद आरोपी धर्मेंद्र चौहान ने एक योजना तैयार की. आरोपी ने सोचा कि क्यों न वो खुद मौके का फायदा उठाये. आरोपी ने सोचा कि वो खुद एसीबी का अधिकारी बनकर नये नंबर से पीड़ित को कॉल करेगा।

मत्स्य पालन विभाग द्वारा दिए गए तकनीकी ज्ञान और प्रशिक्षण से मिली सफलता

■ मिश्रित मत्स्य एवं झींगा पालन से मां दुर्गा समिति को मिल रही लगभग साढ़े तीन लाख रुपए वार्षिक आय

रायपुर/ संवाददाता

महासमुंद जिले अन्तर्गत जय माँ दुर्गा मत्स्य सहकारी समिति मर्यादित, किशनपुर को मत्स्य पालन विभाग द्वारा प्रदान किए गए तकनीकी ज्ञान, प्रशिक्षण और विभिन्न योजनाओं के तहत मिली सहायता ने उनके कार्य को नई दिशा दी है। इस सहायता से आज समिति द्वारा तीन गुणा अधिक आय अर्जित किया जा रहा हैं। इस समिति में कुल 24 सदस्य हैं, जिनमें 11 महिलाएं और 13 पुरुष शामिल हैं। विगत 20 वर्षों से यह समिति मत्स्य पालन के क्षेत्र में सक्रिय रूप से कार्य कर रही है तथा इसके पास 31.59 हेक्टेयर जलाशय और 3.50 हेक्टेयर तालाब का जलक्षेत्र उपलब्ध है, जिसका सुनियोजित उपयोग कर समिति ने प्रगति हासिल की है। समिति सदस्य बताते है कि उनका जीवन पहले काफी संघर्षपूर्ण था, जहां उनकी आजीविका मुख्य रूप से खेती और मजदूरी पर निर्भर थी। सीमित संसाधनों के कारण उनकी वार्षिक आय लगभग 36 हजार रुपये ही थी, जिससे परिवारों को आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ता था। लेकिन समय के साथ मत्स्य पालन विभाग के मार्गदर्शन, प्रशिक्षण और योजनाओं से जुड़कर समिति ने मत्स्य पालन को अपनाया और धीरे-धीरे अपनी स्थिति में सुधार लाना शुरू किया। मत्स्य पालन विभाग द्वारा प्रदान किए गए तकनीकी ज्ञान, प्रशिक्षण और विभिन्न योजनाओं उनके कार्य को नई दिशा दी। जाल, आइस बॉक्स, मत्स्य बीज, सीफेक्स, झींगा बीज तथा मोटरसाइकिल अनुदान जैसी सुविधाओं ने उत्पादन क्षमता को बढ़ाने में भूमिका निभाई। विभागीय अधिकारियों के निरंतर प्रोत्साहन और सफल मत्स्य पालकों से मिली प्रेरणा ने समिति के सदस्यों का मनोबल मजबूत किया और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। समिति ने पारंपरिक पद्धतियों को छोड़कर आधुनिक तकनीकों को अपनाया, जिसमें मिश्रित मत्स्य पालन, उन्नत बीजों का उपयोग, परिपूरक आहार और वैज्ञानिक तरीके शामिल हैं। इन नवाचारों के परिणामस्वरूप उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई, जहां पहले लगभग 7 क्विंटल उत्पादन होता था, वहीं अब यह बढ़कर 21 क्विंटल तक पहुंच गया है। इसके साथ ही झींगा पालन को अपनाने से अतिरिक्त आय के नए स्रोत भी विकसित हुए, जिससे कुल आय में तीन गुना वृद्धि दर्ज की गई और वार्षिक आय लगभग 3 लाख 40 हजार रुपये तक पहुंच गई। मत्स्य पालन से जुड़े रहने के कारण समिति के सदस्यों के जीवन स्तर में अधिक बदलाव आया है।

अंजनीकुंज में नवनिर्मित डोम जनसेवा में समर्पित

उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने आज कोरबा में 30 लाख रूपए की लागत से निर्मित डोम का किया लोकार्पण

रायपुर/ संवाददाता

प्रदेश के वाणिज्य, उद्योग, श्रम, आबकारी व सार्वजनिक उपक्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन ने आज कोरबा नगर पालिक निगम क्षेत्र अंतर्गत बुधवारी बाई पास रोड पर स्थित अंजनीकुंज में आज नवनिर्मित डोम का लोकार्पण किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत ने की। कोरबा नगर पालिक निगम द्वारा वार्ड क्र 28 बुधवारी बाईपास स्थित अंजनीकुंज श्रीवास नाई समाज भवन परिसर में 30 लाख रुपए की लागत से डोम शेड का निर्माण कराया गया है, जिसे आज जनसेवा में समर्पित किया गया। मंत्री श्री देवांगन ने समिति द्वारा निर्मित कार्यालय भवन व व्यवसायिक परिसर का भी लोकार्पण इस मौके पर किया। इस अवसर पर पार्षद नरेंद्र देवांगन, लक्ष्मण श्रीवास, मुकुंद सिंह कवर, समिति के अध्यक्ष मोहनलाल श्रीवास, राजेश राठौर, जगदीश श्रीवास, रंगनाथ श्रीवास, शत्रुघ्न श्रीवास, घनश्याम श्रीवास, प्रकाश अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। इस अवसर पर उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमारे कोरबा ने एक छोटे से ग्राम पंचायत से आगे बढ़कर जिला एवं ऊर्जा नगरी बनने तक का सफर तय किया है तथा कोरबा का तेजी से विकास हुआ है, उन्होंने कहा कि कोरबा के विकास में यहां रह रहे सर्व समाज के लोगों के साथ-साथ श्रीवास् नाई समाज का भी अहम योगदान व महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की अगुवाई में राज्य सरकार समाज के सभी वर्गों के हितों की सुरक्षा के लिए लगातार कार्य कर रही है। गरीब, निर्धन, किसान, मजदूर, युवा वर्ग व महिला सभी के लिए योजनाएं संचालित हो रही है तथा इन योजनाओं से प्रदेश के लाखों, करोड़ो लोग लाभान्वित हो रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में प्रदेश का तेजी से विकास हो रहा है,तथा प्रदेश लगातार विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। श्री देवांगन ने कहा कि कोरबा की जनता का आशीर्वाद मुझे सदैव मिलता आया है, जिसके लिए मैं हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ, तथा विश्वास दिलाता हूँ कि मैं सदैव आपके हर सुख दुख में आपके साथ खड़ा रहूँगा, आप सबकी विकास संबंधी हर माँग पूरी की जाएगी।

संपादकीय

ईरान ने पलट दिया अमेरिका का खेल, होर्मुज पर गिड़गिड़ा रहे पीड़ित देश

ईरान के खिलाफ ऑपरेशन एपिक फ्यूरी लॉन्च करने के बाद से अभी तक अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप दर्जनों बार दोहरा चुके हैं कि यह जंग उन्होंने करीब जीत ही ली है और तेहरान बातचीत के लिए गिड़गिड़ा रहा है। हालांकि दो हफ्ते से ज्यादा वक्त बाद भी जो जमीनी हकीकत है, वह बताती है कि ईरान की क्षमताओं को आंकने में अमेरिका-इस्राइल से चूक हो गई। यह बात ट्रंप को उन अपीलों से भी जाहिर हो रही है, जो उन्होंने होर्मुज स्ट्रेट को लेकर की हैं।ट्रंप चाहते हैं कि नैटो और दूसरे देश भी होर्मुज स्ट्रेट को खुलवाने के लिए आगे आएं। उन्होंने जापान, दक्षिण कोरिया, चीन, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन और फ्रांस का नाम लिया है। हालांकि किसी भी देश ने इसमें दिलचस्पी नहीं दिखाई। ऑस्ट्रेलिया ने तो साफ तौर पर इनकार कर दिया है, जबकि जापान ने कानूनों का हवाला दिया है। इस बेरुखी पर ट्रंप ने नैटो को धमकी दी है, तो पेइचिंग को याद दिलाया है कि होर्मुज स्ट्रेट से होकर उसका '90 प्रतिशत तेल' जाता है, और उनकी चीन यात्रा टल भी सकती है। दुनिया दबाव की यह रणनीति टैरिफ वॉर में भी देख चुकी है। दूसरों को इस लड़ाई में खींचने की बेताबी बताती है कि ट्रंप फंसा महसूस कर रहे हैं। अमेरिका और इस्राइल ने ईरान के खिलाफ एकतरफा युद्ध तब शुरू किया, जब समझौते को लेकर बातचीत चल रही थी और माना जा रहा था कि इस बार कोई रास्ता निकल सकता है। इस एकतरफा फैसले का ही असर था कि ब्रिटेन ने शुरू में अपने सैन्य अड्डे इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं दी थी, जिसे लेकर ट्रंप आज तक नाराज बताए जाते हैं। अमेरिका-इस्राइल केवल ईरान की ताकत को ही भांपने में गलत साबित नहीं हुए, बल्कि यह समझने में भी चूक कर गए कि संघर्ष कितना व्यापक हो सकता है। अब इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। धरती का सबसे व्यस्त तेल मार्ग बंद है। बढ़ती अनिश्चितता ने क्रूड ऑयल के दाम को 105 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंचा दिया है। पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था दबाव का सामना कर रही है। हालात पर साफगोई की उम्मीद ट्रंप से अब भी नहीं की जा सकती है। वह तो अपने दावे पर कायम हैं कि ईरान समझौता करना चाहता है, जबकि तेहरान बार-बार कह रहा है कि अमेरिका को उसकी आक्रामकता का जवाब दिया जाएगा। अमेरिकी मीडिया और वहां के कई राजनेता मान रहे हैं कि वॉशिंगटन से बड़ी चूक हो गई। ईरान युद्ध पश्चिम एशिया को लेकर अमेरिका के गलत आंकलनों और पूर्वाग्रहों का एक और उदाहरण है।

सबसे पहले शुरूआत नक्शे से करते हैं। उस दौर में पाकिस्तान है बना ही नहीं था तो आप कल्पना कर सकते हैं कि भारत और ईरान दरअसल पड़ोसी देश थे। दोनों की सीमाएं हजारों साल से साथ ही थी। जाहिर है तब आज की तरह कोई एक सरकार नहीं होती थी। जनजातियां थी, अलग-अलग छोटे-छोटे कबीले थे, राज्य भी कह सकते हैं। लेकिन अगर आप सांस्कृतिक दृष्टि से इस जिसे हम आर्यावर्त कहते रहे हैं और ईरान तो इनकी सीमा तो ऐसी ही मिलती रही है और जाहिर है दोनों एक दूसरे को प्रभावित भी करते रहे क्योंकि तब कोई वीजा तो था नहीं। कोई आपका पासपोर्ट तो लगता नहीं था। तो यहां से आदमी कब इधर चला जाए अपनी भेड़े चराते या घोड़े दौड़ाते या इधर से इधर आ जाए यह कहा नहीं जा सकता और इसलिए दोनों के जो दोनों की संस्कृतियां हैं उस पर काफी एक दूसरे का प्रभाव दिखता है।

अहुर-असुर से आर्य-वेद तक

भारत-ईरान का वो रिश्ता जो अमेरिका-इजरायल चाहकर भी नहीं तोड़ सकते

(अभिनय आकाश)

ईरान का अर्थ ही है आर्यों का देश। आर्यों की ही एक शाखा ने इधर भारत में वेदों की रचना की थी। आज हम अहुरा-असुर से आर्य-वेद तक के सफर का एमआरआई स्कैन करेंगे। बताएंगे कि ईरान और भारत के ऐतिहासिक संबंध कैसे थे। और ये भी कि एरनम के फारस और फिर ईरान होने की कहानी क्या है?

ईरान-इजराइल युद्ध में भारत एक ऐसे तटस्थ देश की भूमिका निभा रहा है जो ना तो खुलकर तेल अवीव की मिसाइलों वाली बोली के समर्थन में है और न ही पूरी तरह तेहरान की तरफ झुका हुआ है। भारत और ईरान के रिश्ते हजारों साल पुराने हैं। वहीं इजरायल ने विभिन्न संकट की घड़ी में मददगार के रूप में भारत का साथ दिया है। अब आप सोचेंगे कि जब इजराइल से हमारी इतनी गहरी दोस्ती है तो हम ईरान को लेकर इतने फिक्रमंद क्यों हैं? क्या यह सिर्फ कच्चे तेल की सप्लाई या चाबहार बंदरगाह के व्यापार का मामला है? तो जवाब है बिल्कुल नहीं। भारत और ईरान का रिश्ता आज की कूटनीति कच्चे तेल या व्यापार की पैदाइश नहीं है। अगर आपको भारत का यह बैलेंसिंग एक्ट समझना है तो आज से हजारों साल पीछे जाना होगा। दरअसल हमारा और ईरान का रिश्ता किसी कागजी समझौते का नहीं बल्कि खून और सभ्यता का रिश्ता है। ईरान का अर्थ ही है आर्यों का देश। आर्यों की ही एक शाखा ने इधर भारत में वेदों की रचना की थी। आज हम अहुर-असुर से आर्य-वेद तक के सफर का एमआरआई स्कैन करेंगे। बताएंगे कि ईरान और भारत के ऐतिहासिक संबंध कैसे थे। और ये भी कि एरनम के फारस और फिर ईरान होने की कहानी क्या है?

दोनों की सीमाएं हजारों साल से साथ ही थीं- सबसे पहले शुरूआत नक्शे से करते हैं। उस दौर में पाकिस्तान है बना ही नहीं था तो आप कल्पना कर सकते हैं कि भारत और ईरान दरअसल पड़ोसी देश थे। दोनों की सीमाएं हजारों साल से साथ ही थी। जाहिर है तब आज की तरह कोई एक सरकार नहीं होती थी। जनजातियां थी, अलग-अलग छोटे-छोटे कबीले थे, राज्य भी कह सकते हैं। लेकिन अगर आप सांस्कृतिक दृष्टि से इस जिसे हम आर्यावर्त कहते रहे हैं और ईरान तो इनकी सीमा तो ऐसी ही मिलती रही है और जाहिर है दोनों एक दूसरे को प्रभावित भी करते रहे क्योंकि तब कोई वीजा तो था नहीं। कोई आपका पासपोर्ट तो लगता नहीं था। तो यहां से आदमी कब इधर चला जाए अपनी भेड़े चराते या घोड़े दौड़ाते या इधर से इधर आ जाए यह कहा नहीं जा सकता और इसलिए दोनों के जो दोनों की संस्कृतियां हैं उस पर काफी एक दूसरे का प्रभाव दिखता है। 2000 से 3000 ईसा पूर्व के बीच भारत और ईरान के लोग एक ही परिवार का हिस्सा थे। अगर आप आधुनिक इराक, दक्षिणी ईरान और उत्तर पश्चिमी भारत के

नक्शे को एक साथ रखकर देखें तो आपको पता चलेगा कि यह पूरा इलाका कभी एक ही विशाल सांस्कृतिक और जन सांख्यिकी यानी डेमोग्राफिक क्षेत्र हुआ करता था। सिर्फ यही नहीं हमारी सिंधु घाटी सभ्यता ईरान और मेसोपोटामिया की समकालीन सभ्यताओं के बीच जो गहरे व्यापारिक संबंध थे वो आज भी जमीन की खुदाई में मिलते हैं। हजारों साल पहले हमारे पूर्वज एक दूसरे के शहरों में आते जाते थे। व्यापार करते थे और एक दूसरे के रीति-रिवाजों को मानते थे। यह दोनों सभ्यताएं एक दूसरे से पूरी तरह जुड़ी हुई थी। इसका एक सबसे बड़ा जिंदा सबूत आज भी मौजूद है। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में ब्राहुई नाम का एक कबीला रहता है। यह लोग शक्ल, सूरत और नस्ल से बिल्कुल ईरानी लगते हैं। लेकिन हैरानी की बात यह है कि इनकी बोली दक्षिण भारत की द्रविड़ भाषाओं जैसे तमिल या तेलुगु से काफी मिलती जुलती है। यह कोई इत्तेफाक नहीं है। बल्कि इस बात का पक्का सबूत है कि हमारी जड़े एक ही जमीन से जुड़ी हैं और आधुनिक सीमाएं बनने से पहले हम एक ही थे।

एक ही कबीले में रहते थे भारतीय-ईरानी- इंडो आर्यन और ईरानी लोगों के साझे अतीत को वैज्ञानिक भाषा में कुर्गन परिकल्पना या कुर्गन हाइपोथेसिस और बीएमएसी यानी बैक्ट्रीरिया मार्गना आर्कियोलॉजिकल कॉम्प्लेक्स के नाम से जाना जाता है। इस थ्योरी के मुताबिक हजारों साल पहले मध्य एशिया के यूरेशियन स्टेपीज इलाके में एक बहुत बड़ा घुमंतु समूह यानी नोमेडिक रूप रहता था। यह लोग घोड़ों की सवारी करने और रथ चलाने में माहिर थे। यह वो लोग थे जो एक ही भाषा बोलते थे और एक ही जैसी संस्कृति को मानते थे। लेकिन वक्त के साथ चारागाहों और नई जमीन की तलाश में इन लोगों ने वहां से दक्षिण की तरफ अपना सफर शुरू किया। यही वो ऐतिहासिक सफर था जिसने दुनिया का भूगोल हमेशा के लिए बदल दिया। प्रवास के इस लंबे रास्ते में यह विशाल इंडो ईरानी भाषी समूह दो अलग-अलग शाखाओं में बट गए। इस समूह की पहली शाखा ने हिंदू कुश के ऊंचे पहाड़ों को पार किया और भारतीय उपमहाद्वीप के सिंधु और गंगा के उपजाऊ मैदानी इलाकों में आकर बस गए। इन्हें ही इतिहास में इंडो आर्यस कहा जाता है। जबकि दूसरी शाखा पहाड़ों के पार नहीं गई। वो ईरानी पठार जो ईरानियन प्लेटो हैवहां रुक गई। उन्होंने वहीं अपनी सभ्यता का विस्तार किया और वो आगे चलकर प्राचीन फारसी या ईरानी कहलाए। यानी जो आज के भारतीय हैं और जो ईरानी हैं वह असल में हजारों साल पहले एक ही कबीले में रहते थे।

अहुर और असुर, यस्न और यज्ञ- पारसी धर्म में सर्वोच्च भगवान अहुर मज्दा हैं। वे निराकार, रंगहीन, लिंगहीन और परम बुद्धिमान सत्ता हैं। अहुर का अर्थ है स्वामी या दिव्य। अब, यदि आप अहुर के 'ह' को 'स' से बदल दें, तो आपको वैदिक संस्कृति का 'असुर' शब्द मिल जाएगा। ऋग्वेद में 'असुर' शब्द का प्रयोग दिव्य प्राणियों के लिए किया जाता था, और इसका इस्तेमाल वरुण और इंद्र जैसे देवताओं के लिए होता था। पारसी-जोरोस्ट्रियन संस्कृति और इतिहास के अनुसंधान और संरक्षण के लिए समर्पित संगठन की निदेशक शेर्नाज़ कहती हैं कि पारसी धर्म में अच्छाई का मतलब अहुर मज्दा से है, जो रोशनी और बुद्धि की शक्ति हैं। वहीं, बुराई की ताकत अंग्र मैन्यू है, जो अंधेरे और नकारात्मकता का प्रतीक है। अहुर मज्दा, मित्र और सात 'अमेशा स्पेंटा' की शक्तियां, असुर वरुण और आदित्यों के समान ही हैं। ऋग्वेद में आदित्यों को सूर्य-देवताओं का एक समूह माना गया है। जो देवता कभी दोनों संस्कृतियों में पूजे जाते थे, बाद में पारसियों ने उन्हें मानना छोड़ दिया, लेकिन वैदिक परंपरा में उन्हें माना जाता रहा। और इसी तरह, वैदिक परंपरा के कुछ देवता पारसी परंपरा में भी बदल गए। लंदन की एसओएएस यूनिवर्सिटी के मारियानो एरिचिएल्लो उस सिद्धांत के बारे में बताते हैं कि कैसे मध्य एशियाई मैदानों में रहने वाली 'हिंद-ईरानी' आबादी अलग हो गई। वह कहते हैं, इस सिद्धांत की शुरुआत 19वीं सदी में उन भाषाविदों ने की थी जिन्होंने संस्कृत, अवेस्तान और अन्य हिंद-यूरोपीय भाषाओं की तुलना की थी। बाद में कुछ विद्वानों ने यह राय दी कि किसी धार्मिक विवाद के कारण ये दोनों लोग अलग हुए होंगे। मारियानो बताते हैं कि कैसे दोनों परंपराओं में कुछ पवित्र शब्दों का अर्थ उल्टा हो गया। वह समझाते हैं, मिसाल के तौर पर, पारसी धर्म में अहुर मज्दा सबसे बड़े भगवान हैं, जबकि वैदिक परंपरा में 'असुर' शब्द का मतलब धीरे-धीरे खराब या नकारात्मक हो गया। यह बदलाव इशारा करता है कि शायद कोई धार्मिक बदलाव हुआ होगा, जिसमें पहले के कुछ देवताओं को छोड़ दिया गया था। न केवल रीति-रिवाज और देवता, बल्कि पारसियों और हिंदुओं के पवित्र ग्रंथों अवेस्ता और ऋग्वेद में सुरक्षित भौगोलिक यादें भी एक साझा हिंद-ईरानी सांस्कृतिक दुनिया की ओर इशारा करती हैं। इन ग्रंथों में मध्य एशिया और भारतीय उपमहाद्वीप में नदी प्रणालियों और भूभागों के समान विवरण मिलते हैं।

अवेस्ता को ऋग्वेद के चश्मे से समझें- विशेषज्ञों के अनुसार भारतीय और फारसी सभ्यताएँ कज़िन कल्चर यानी एक ही जड़ से जुड़ी हुई हैं।

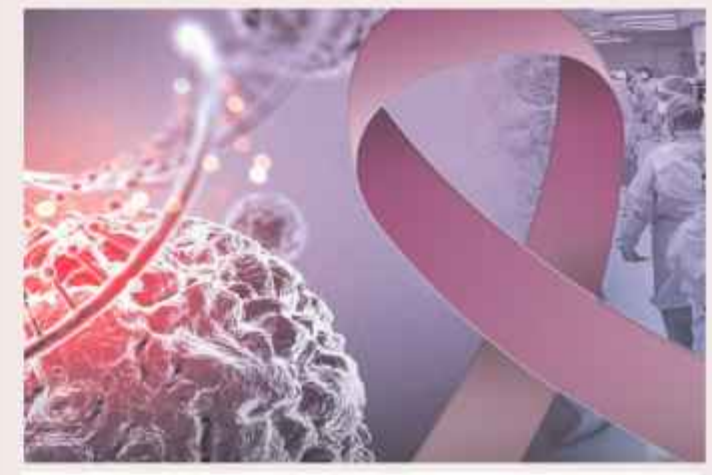

कैंसर की राजधानी बनता भारत? 78 प्रतिशत भारतीयों के खून में मिले कीटनाशकों के अवशेष

(अभिषेक कुमार सिंह)

भारत में कैंसर के बढ़ते मामलों के पीछे जागरूकता और सख्त नियमन की कमी तथा हर स्तर पर बरती जा रही अनदेखी जिम्मेदार है। सामान्यत- एक भारतीय जो भोजन ग्रहण करता है, उसकी सटीक जांच की न तो कोई फिक्र है और न ही कोई ऐसी व्यवस्था उसके आसपास मौजूद है, जिससे वह आसानी से भोजन में छिपे जहर की पड़ताल कर सके।

जांच का जिम्मा जिन एजेंसियों पर है, उनकी थोड़ी-बहुत सक्रियता होली और दिवाली जैसे त्योहारों पर दिखती है। इसका नतीजा क्या है, यह हाल में बंगलुरु स्थित 'गट-हेल्थ स्टार्टअप माइक्रोबायोटीएक्स' के कराए गए शोध में सामने आया है। देश के नौ राज्यों और 14 शहरों के 200 शहरी भारतीयों के रक्त नमूनों के विश्लेषण में पाया गया कि 78 फीसद लोग कीटनाशक अवशेषों के संपर्क में हैं।

अध्ययन में शामिल लोगों में से 36 फीसद में तीन या अधिक कीटनाशकों का मिश्रित असर देखा गया, जो गंभीर स्वास्थ्य जोखिमों की ओर संकेत करता है। विषाक्त पदार्थ भूजल और वायु प्रदूषण के रास्ते शरीर में प्रवेश कर रहे हैं। जांच के बाद आई रपट में कहा गया है कि 54 फीसद नमूनों में एंटीबायोटिक्स और 39 फीसद में स्टेरायड पाए गए। यह हार्मोन के असंतुलन और कैंसर जोखिम बढ़ा सकता है।

कुछ रसायन जो 'नानस्टिक' बर्तनों में भी उपयोग होते हैं, वे कैंसर, बांझपन, थायरायड और यकृत में गंभीर बीमारियों के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं। सवाल है कि आखिर फसल उत्पादन, हमारे खानपान और रोजमर्रा की जिंदगी में कीटनाशकों के बढ़ते इस्तेमाल की वजह क्या है? आखिर इन पर वैसी रोक क्यों नहीं लग पा रही है, जैसी विकसित देशों में लगाई जाती है।

आज तक किसानों को इस बारे में जानकारी नहीं दी गई है कि किसी फसल पर कितनी मात्रा में कीटनाशकों का छिड़काव किया जाना चाहिए। सिर्फ किसान ही नहीं, वितरक यानी आढ़तिए भी फलों-सब्जियों को संरक्षित करने के लिए कीटनाशकों का इस्तेमाल करते हैं। सवाल है कि क्या हमारी सरकार आम जनता का हित देखना चाहती है या नहीं? इसका जवाब लोगों की जागरूकता में छिपा है।

यदि लोग खुद इन कीटनाशकों के इस्तेमाल के प्रति जागरूक होंगे और वे इस पर सवाल उठाएंगे, तो सरकार इनके इस्तेमाल की नीति बनाने के लिए बाध्य होगी। बाह्य संक्रमणों और कीटों से निपटना पहले भी चुनौती थी और आज भी यह बड़ी समस्या है। इस तस्वीर में महज इतना फर्क आया है कि आज हमारे पास विकसित किए गए कीटनाशक वे रसायन हैं जो इन कीटों और संक्रमणों से हमें काफी हद तक निजात दिलाते हैं।

आम धारणा यह है कि ये हमें कई दिक्कतों से बचाते हैं, लेकिन शोध साबित करते रहे हैं कि मक्खी-मच्छर, फफूंद या बैक्टीरिया से बचने की यह कोशिश हमें रसायन जनित कैंसर और दूसरी गंभीर बीमारियों की जद में ले जा रही है। मामला सिर्फ खाद्य पदार्थों में मिलाए जाने वाले खतरनाक रासायनिक तत्वों का नहीं है, बल्कि उन चीजों का भी है जो संक्रमण रोकने और कीटरोधी के तौर पर इस्तेमाल की जा रही हैं।

खेतों में कीटनाशकों से फसलें सुरक्षित रहती हैं। घरों में रासायनिक दवाएं दीमक, तिलचट्टों, मक्खी-मच्छरों से हमें सुरक्षा प्रदान करती हैं। परेलू कीटनाशकों का तो यह कह कर जोर-शोर से प्रचार किया जाता है कि कम या ज्यादा मच्छर होने पर इनका असर भी मनचाहे ढंग से घटाया या बढ़ाया जा सकता है। मगर कीटनाशकों का अंधाधुंध प्रचलन हमारी सेहत की बलि ले रहा है।

खेत-खलिहान हों या घर, हमें हर जगह कीटनाशकों के इस्तेमाल की सलाह दी जा रही है, पर यह कोई नहीं बता रहा कि कितनी मात्रा तक इनका इस्तेमाल सुरक्षित है। खतरनाक रसायन दो तरीकों से हम तक पहुंच रहे हैं। अव्वल तो मक्खी-मच्छर और तिलचट्टों के रोकने के लिए हम खुद इनका इस्तेमाल करते हैं। दूसरे, खेतों में फसलों पर छिड़के जाने वाले कीटनाशकों के अंश फल-सब्जियों और अनाजों के जरिए हम तक पहुंचते हैं। अब चाहे कोई मौसम हो, शहरों-कस्बों में हर तरह के मच्छर प्रतिरोधी रसायनों की बिक्री धड़ल्ले से हो रही है।

मजबूत सेना, स्वदेशी हथियार और नई युद्ध तकनीक, यही है मोदी सरकार की जबरदस्त सामरिक रणनीति

मोदी सरकार की दूसरी निर्णायक रणनीति है सैन्य आधुनिकीकरण को तेज करना। पिछले कुछ वर्षों में यह स्पष्ट हुआ है कि भारत को एक साथ दो मोर्चों पर युद्ध की संभावना को ध्यान में रखते हुए अपनी सैन्य क्षमता बढ़ानी होगी। इसी रणनीति के तहत भारत ने नौसेना के लिए 26 आधुनिक राफेल लड़ाकू विमान खरीदने का लगभग 7.4 अरब डॉलर का समझौता किया है, जिससे हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की समुद्री शक्ति और मजबूत होगी।

(नीरज कुमार दुबे)

पिछले कुछ वर्षों में भारत ने हथियार आयातक देश की छवि से बाहर निकलकर रक्षा निर्यातक बनने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाए हैं। उदाहरण के तौर पर हाल ही में इंडोनेशिया ने भारत से लगभग 3800 करोड़ रुपये की ब्रह्मोस मिसाइल खरीदने का समझौता किया है।

साल 2026 में भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा नीति एक निर्णायक मोड़ पर खड़ी दिखाई देती है। बदलते वैश्विक शक्ति संतुलन, चीन की आक्रामक सैन्य विस्तार नीति, हिंद महासागर में बढ़ती प्रतिस्पर्धा और सीमा क्षेत्रों में लगातार तनाव ने भारत को अपनी रणनीतिक प्राथमिकताओं को नए सिरे से परिभाषित करने के लिए मजबूर किया है। इसी पृष्ठभूमि में मोदी सरकार ने वर्ष 2026 में ऐसी सामरिक रणनीति अपनाई है जिसका मूल उद्देश्य है सैन्य शक्ति का तीव्र आधुनिकीकरण, स्वदेशी रक्षा उत्पादन का विस्फोटक विस्तार, नई युद्ध तकनीकों में निर्णायक बढ़त और वैश्विक रक्षा कूटनीति का विस्तार।

हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी की सबसे पहली और सबसे स्पष्ट प्राथमिकता है रक्षा बजट में निरंतर वृद्धि। केंद्रीय बजट 2026-27 में भारत सरकार ने रक्षा क्षेत्र के लिए लगभग 7.85 लाख करोड़ रुपये का रिकॉर्ड आवंटन किया है जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 15 प्रतिशत अधिक है। यह राशि भारत के सकल घरेलू उत्पाद का लगभग दो प्रतिशत है और केंद्र सरकार के कुल खर्च का लगभग 14.67 प्रतिशत हिस्सा रक्षा क्षेत्र को जाता है। इस बजट में 2.19 लाख करोड़ रुपये पूंजीगत व्यय के लिए रखे गए हैं ताकि सेना को अगली पीढ़ी के लड़ाकू विमान, आधुनिक युद्धपोत, पनडुब्बी, ड्रोन और स्मार्ट हथियारों से लैस किया जा सके।

मोदी सरकार की दूसरी निर्णायक रणनीति है सैन्य आधुनिकीकरण को तेज करना। पिछले कुछ वर्षों में यह स्पष्ट हुआ है कि भारत को एक साथ दो मोर्चों पर युद्ध की संभावना को ध्यान में रखते हुए अपनी सैन्य क्षमता बढ़ानी होगी। इसी रणनीति के तहत भारत ने नौसेना के लिए 26 आधुनिक राफेल लड़ाकू विमान खरीदने का लगभग 7.4 अरब डॉलर का समझौता किया है, जिससे हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की समुद्री शक्ति और मजबूत होगी।

इसके साथ ही भारतीय वायुसेना के लिए नए लड़ाकू स्क्वॉड्रन, आधुनिक मिसाइल प्रणाली और लंबी दूरी की मारक क्षमता वाले हथियारों पर तेजी से काम चल रहा है।

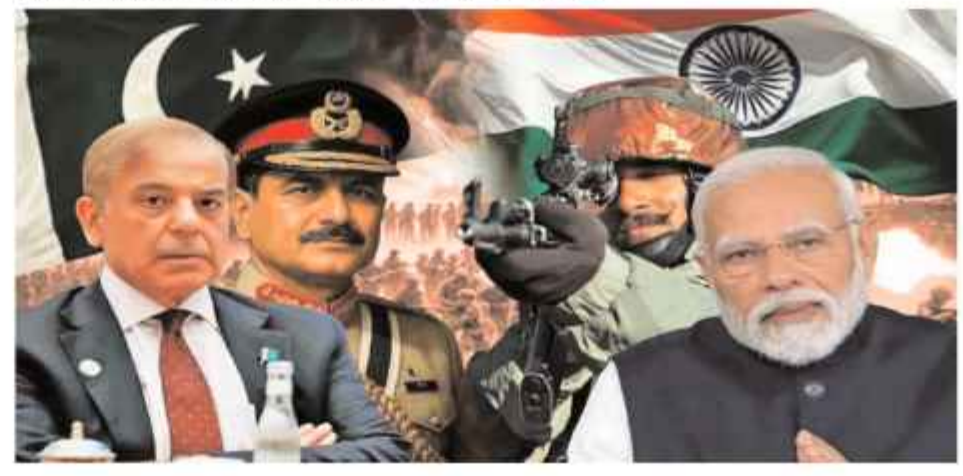

सामरिक विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम चीन और पाकिस्तान दोनों से उत्पन्न सुरक्षा चुनौतियों के जवाब में उठाया गया है।

तीसरी बड़ी प्राथमिकता है आत्मनिर्भर रक्षा उद्योग का निर्माण। वर्ष 2026 के रक्षा बजट में पूंजीगत खरीद का लगभग 75 प्रतिशत हिस्सा घरेलू उद्योगों से खरीद के लिए निर्धारित किया गया है। इसका अर्थ है कि लगभग 1.39 लाख करोड़ रुपये भारतीय कंपनियों और रक्षा निर्माण इकाइयों को मिलेंगे। इससे न केवल सैन्य क्षमता बढ़ेगी बल्कि देश में विशाल रक्षा औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र भी विकसित होगा।

इसी दिशा में उत्तर प्रदेश रक्षा औद्योगिक गलियारा एक बड़ा उदाहरण बनकर उभरा है जहां अब तक 35000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश आकर्षित हो चुका है। इस परियोजना का लक्ष्य भारत को वैश्विक रक्षा उत्पादन केंद्र बनाना है और हजारों उच्च कौशल रोजगार पैदा करना है।

चौथी रणनीतिक प्राथमिकता है नई पीढ़ी के युद्ध क्षेत्रों में प्रवेश। पारंपरिक युद्ध अब अकेला निर्णायक तत्व नहीं रह गया है। ड्रोन, कृत्रिम बुद्धि आधारित युद्ध प्रणाली, डाटा युद्ध और साइबर युद्ध भविष्य की लड़ाइयों का आधार बनते जा रहे हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए भारत ने ड्रोन बल, सैन्य जियो स्पेशल एजेंसी, डाटा फोर्स और संज्ञानात्मक युद्ध इकाइयों की स्थापना की दीर्घकालिक योजना तैयार की है। इसका उद्देश्य है कि वर्ष 2047 तक भारत पूरी तरह तकनीकी रूप से उन्नत सैन्य शक्ति बन सके।

पांचवीं प्राथमिकता है रक्षा निर्यात का आक्रामक विस्तार। पिछले कुछ वर्षों में भारत ने हथियार आयातक देश की छवि से बाहर निकलकर रक्षा निर्यातक बनने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाए हैं। उदाहरण के तौर पर हाल ही में इंडोनेशिया ने भारत से लगभग 3800 करोड़ रुपये की ब्रह्मोस मिसाइल खरीदने का समझौता किया है। यह सौदा केवल आर्थिक नहीं बल्कि रणनीतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे हिंद प्रशांत क्षेत्र में भारत की सामरिक उपस्थिति मजबूत होती है।

छठी रणनीतिक दिशा है भविष्य के युद्ध खतरों के लिए तैयारी। भारत की नई रक्षा दृष्टि में रासायनिक, जैविक, रेडियोलॉजिकल और परमाणु हमलों से निपटने के लिए विशेष सुरक्षा ढांचे का निर्माण भी शामिल है। रक्षा बल विजन 2047 दस्तावेज में स्पष्ट किया गया है कि भविष्य के युद्ध बहुआयामी होंगे और उनके लिए तेज प्रतिक्रिया क्षमता विकसित करना आवश्यक है।

इन सभी पहलों का व्यापक लक्ष्य है भारत को वर्ष 2047 तक एक विकसित और सैन्य दृष्टि से आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाना। देखा जाये तो रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा प्रस्तुत रक्षा विजन 2047 राष्ट्रीय शक्ति के समग्र विस्तार का खाका है जिसमें सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और तकनीकी नवाचार को एक साथ जोड़ा गया है।

कुल मिलाकर देखें तो वर्ष 2026 में मोदी सरकार की रणनीतिक प्राथमिकताएं बेहद स्पष्ट और आक्रामक हैं। विशाल रक्षा बजट, तेज सैन्य आधुनिकीकरण, स्वदेशी हथियार निर्माण, नई युद्ध तकनीकों में निवेश, रक्षा निर्यात का विस्तार और भविष्य के युद्धों के लिए तैयारी, ये सभी कदम मिलकर भारत को एक उभरती वैश्विक सैन्य शक्ति में बदलने की दिशा में आगे बढ़ा रहे हैं। यदि यह रणनीति इसी गति से लागू होती रही तो आने वाले दशक में भारत केवल दक्षिण एशिया की सुरक्षा व्यवस्था का केंद्र नहीं रहेगा बल्कि हिंद प्रशांत क्षेत्र की शक्ति संतुलन राजनीति में भी निर्णायक भूमिका निभाएगा।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

विश्व जल दिवस पर साल्हेभाट में 'सुजल संवाद' के माध्यम से केंद्रीय मंत्री ने किया सीधा संवाद

कोण्डागांव। विश्व जल दिवस के अवसर पर विकासखंड केशकाल के ग्राम साल्हेभाट में आयोजित जल अर्पण कार्यक्रम के दौरान 'सुजल संवाद' के पांचवें संस्करण में ऑनलाइन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से केंद्रीय जलशक्ति मंत्री वी. सोमन्न एवं मंत्रालय के अन्य अधिकारियों ने ग्राम पंचायत के प्रतिनिधियों से सीधा संवाद किया। इस दौरान सरपंच, नल-जल मित्रों तथा ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति के सदस्यों से चर्चा करते हुए केंद्रीय मंत्री ने जल जीवन मिशन के तहत ग्राम में मिल रहे लाभों, योजना के संचालन एवं संधारण, यूजर चार्ज संग्रहण की स्थिति तथा जल गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए जल बहिनियों द्वारा फील्ड टेस्ट किट के माध्यम से किए जा रहे परीक्षण की जानकारी प्राप्त की। संवाद के दौरान अधिकारियों ने ग्राम स्तर पर समुदाय की सहभागिता, जल स्रोतों के संरक्षण एवं योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया। वहीं कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना से जिले में जल जीवन मिशन की प्रगति तथा आगामी कार्ययोजना के संबंध में विस्तृत जानकारी ली गई। कार्यक्रम के माध्यम से केंद्र एवं राज्य स्तर के अधिकारियों द्वारा जमीनी स्तर पर योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए स्थानीय प्रतिनिधियों से सीधा फीडबैक प्राप्त किया गया, जिससे योजना को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण सुझाव सामने आए।

गर्भपात दवा कांड से मचा हड़कंप, जांच के बाद अधीक्षिका सस्पेंड, छात्राएं सड़क पर

कोंटा। कोंटा में संचालित आवासीय विद्यालय से जुड़ा बेहद गंभीर और संवेदनशील मामला सामने आने से, प्रशासनिक एवं राजनीतिक गलियारों में मुद्दा गरमाया हुआ था। कक्षा 10वीं में अध्ययनरत छात्रा परीक्षा देने के लिए आश्रम से निकली है, तभी अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई। छात्रा को तेज चक्कर आया और देखते ही देखते उसे भारी ब्लीडिंग शुरू हो गई। यह स्थिति देखकर मौके पर मौजूद लोग बिना देर किए उसे तत्काल नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। डॉक्टरों द्वारा गर्भवती बताया, डॉक्टरों ने बताया कि छात्रा गर्भपात के लिए दवाई का सेवन की है। लेकिन दवाई आश्रम में आया कैसे ये जांच का विषय बनकर रह गया है। छात्रा की हालत लगातार बिगड़ती देख डॉक्टरों ने तत्काल उसे बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल सुकमा रेफर कर दिया।

घटना के बाद राजनीतिक हलचल तेज – मामले के तूल पकड़ते ही क्षेत्र में राजनीतिक हलचल भी तेज हो गई। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने तत्काल संज्ञान लेते हुए अनुविभागीय अधिकारी सहित कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने मामले को बेहद गंभीर बताते हुए ब्लॉक के बीईओ, बीआरसी और अधीक्षिका को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने तथा पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष एवं उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की। ताकि जांच में किसी प्रकार बाध्य न बने,कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चेतावनी भी दी कि यदि समय रहते उचित कार्रवाई नहीं की गई, तो उग्र आंदोलन किया जाएगा।

मोर्चा ने लगाए गंभीर आरोप – बस्तरिया राज मोर्चा के पदाधिकारी, जिनमें महिला पदाधिकारी भी शामिल थीं, सीधे कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय पहुंचे। वहां उन्होंने छात्राओं, स्टाफ और अधीक्षिका से बातचीत कर पूरे मामले की जानकारी लेने का प्रयास किया। जांच-पड़ताल के बाद मोर्चा के पदाधिकारियों ने अधीक्षिका पर गंभीर आरोप लगाए। उनका कहना था कि अधीक्षिका अपने कृत्यों को छुपाने के लिए गुमराह करने वाले बयान दे रही हैं।

पहले भी विवादों में रही अधीक्षिका – अधीक्षिका माहेश्वरी निषाद को लेकर पहले भी कई विवाद सामने आ चुके हैं। उन पर छात्रों के चावल बेचने जैसे गंभीर आरोप लगे थे, जो मीडिया में भी उजागर हुए थे। साथ ही पूर्व में यह आरोप भी लगा था कि उन्होंने अपने पद को बनाए रखने के लिए कलेक्टर के समक्ष छात्राओं को सिफारिश हेतु आगे किया, जिससे काफी विवाद हुआ था। बताया जाता है कि एक समय उनकी जगह दूसरी अधीक्षिका की नियुक्ति भी की गई थी, लेकिन राजनीतिक दबाव और सिफारिश के चलते उन्हें फिर से पद पर बहाल कर दिया गया। ऐसे में एक बार फिर कोंटा नगर में छात्राओं के समर्थन के सहारे अधीक्षिका के पक्ष में माहौल बनता दिखाई दिया, जिससे पुराने विवादों की याद ताजा हो गई। जब भी अपने पद किसी प्रकार की अड़चनें आए तो बच्चों को आगे रखकर अपने को पद बचाव कार्य में लग जाती है।

कलेक्टर की निर्देशन पर आवासीय अधीक्षिका निलंबित

कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय कोंटा की अधीक्षिका माहेश्वरी निषाद को पदीय कर्तव्यों में लापरवाही पाए जाने पर कलेक्टर अमित कुमार ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। 17 मार्च को कक्षा 10वीं की एक छात्रा की स्वास्थ्य संबंधी गंभीर घटना के बाद गठित तीन सदस्यीय जांच दल की रिपोर्ट (20 मार्च 2026) में संस्था संचालन व छात्राओं की सुरक्षा में गंभीर लापरवाही की पुष्टि हुई। इसके आधार पर छत्तीसगढ़ सिविल सेवा नियमों के तहत कार्रवाई करते हुए उन्हें निलंबित कर मुख्यालय बीईओ कार्यालय कोंटा नियुक्त किया गया है।

नगर की सड़कों पर छात्राओं का विरोध प्रदर्शन

इस कार्रवाई के कुछ दिनों बाद एक अलग ही स्थिति देखने को मिली। आज छात्रावास में रहकर पढ़ाई करने वाली छात्राएं अधीक्षिका के समर्थन में सड़क पर उतर आईं। अधीक्षिका को वापस लाओ के नारे लगाते हुए तख्तियां लेकर कोंटा नगर की सड़कों पर रैली निकालते हुए प्रदर्शन करने लगीं। छात्राओं का कहना था कि अधीक्षिका को गलत तरीके से हटाया गया है और उन्हें वापस लाया जाना चाहिए। स्थिति को देखकर प्रशासन तुरंत सक्रिय हुआ। अनुविभागीय अधिकारी सुभाष शुक्ला, नगर निरीक्षक सलीम खाका सहित अन्य आला अधिकारी मौके पर पहुंचे और छात्राओं से शांतिपूर्वक चर्चा की। अधिकारियों ने उन्हें समझाइश दी और समझाने के बाद छात्राओं का आक्रोश शांत हुआ, जिसके बाद उन्हें वापस आश्रम भेज दिया गया।

कांग्रेस संगठन को और सुदृढ़ बनाने अतिरिक्त प्रभार, जिला स्तर से ब्लॉक तक जिम्मेदारियां तय

नारायणपुर। जिला कांग्रेस कमेटी नारायणपुर के संगठन को अधिक सुदृढ़, सक्रिय एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजेश दीवान द्वारा पदाधिकारियों को अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। इस निर्णय से संगठनात्मक कार्यों में गति आने के साथ जमीनी स्तर पर मजबूती मिलने की अपेक्षा व्यक्त की गई है।

जारी आदेश के अनुसार, संजय राय को प्रभारी महामंत्री (संगठन) एवं शेख तौहीद को प्रभारी महामंत्री (प्रशासनिक) की जिम्मेदारी दी गई है। दोनों पदाधिकारी संगठनात्मक समन्वय एवं प्रशासनिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इसी क्रम में ब्लॉक स्तर पर भी जिम्मेदारियां तय की गई हैं। नंदलाल जायसवाल को नारायणपुर शहर/ब्लॉक प्रभारी, गजाननंद पटेल को छोटेडोंगर ब्लॉक प्रभारी, तामेश्वर उसेंडी को ओरछा ब्लॉक प्रभारी तथा संतोष राव (गुड्डू) को कोहकामेटा ब्लॉक प्रभारी नियुक्त किया गया है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजेश दीवान ने कहा कि संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से अपेक्षा जताई कि वे अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी निष्ठा, समर्पण एवं सक्रियता के साथ करते हुए कांग्रेस की नीतियों और कार्यक्रमों को आमजन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

जिला कांग्रेस कमेटी परिवार की ओर से सभी नव-नियुक्त पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की गई हैं।

जनसमस्या : गैस पर दोहरा कानून, ओटीपी न आने से गैस सप्लाई हुई ठप, ग्रामीण बेहाल

केशकाल। रसोई की आग अब गांवों में चिंता और बेबसी की वजह बनती जा रही है। गैस सिलेंडर समय पर नहीं मिलने से ग्रामीण परिवारों की दिनचर्या बुरी तरह प्रभावित हो रही है। मजबूरी में लोग फिर से लकड़ी और उपलों के सहारे खाना बनाने को विवश हैं, जिससे न केवल उनका श्रम बढ़ रहा है बल्कि धुएं से स्वास्थ्य पर भी गंभीर असर पड़ रहा है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में गैस सिलेंडर वितरण को लेकर असमानता का मुद्दा लगातार गहराता जा रहा है।

शहर में 25 दिन, गांव में 45 दिन का इंतजार– बता दें कि एक ओर जहां शहरी क्षेत्रों में उपभोक्ताओं को लगभग 25 दिनों के भीतर गैस रिफिल आसानी से उपलब्ध हो रहा है, वहीं ग्रामीण उपभोक्ताओं को 45 दिनों तक लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। इस अंतर को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी खुलकर सामने आ रही है। उपभोक्ताओं का आरोप है कि गैस एजेंसियां और संबंधित विभाग उनकी समस्याओं को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं, जिससे उन्हें बार-बार परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति उस समय और गंभीर हो जाती है जब निर्धारित अवधि पूरी होने के बाद भी उपभोक्ताओं के मोबाइल पर ओटीपी नहीं पहुंचता। ओटीपी आधारित व्यवस्था ग्रामीण क्षेत्रों में एक बड़ी बाधा बन गई है। नेटवर्क की कमी और तकनीकी खामियों के चलते कई बार ओटीपी समय पर नहीं मिलता, जिससे गैस बुकिंग और वितरण की प्रक्रिया अटक जाती है। उपभोक्ताओं को बार-बार गैस एजेंसी के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद समाधान नहीं मिल पा रहा है।

फिर चूल्हे की आग पर लौटने को मजबूर हुए ग्रामीण

गैस की अनियमित आपूर्ति के कारण ग्रामीण परिवारों को फिर से पारंपरिक ईंधनों, लकड़ी, उपले आदि का सहारा लेना पड़ रहा है। इससे जहां एक ओर समय और श्रम की बर्बादी हो रही है, वहीं दूसरी ओर धुएं के कारण महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। कई स्थानों पर लोग जंगलों से लकड़ी लाने को मजबूर हैं, जिससे पर्यावरण पर भी असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। स्थानीय स्तर पर इस समस्या का समाधान भी नहीं निकल पा रहा है। खाद्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि गैस वितरण की पूरी व्यवस्था उच्च स्तर से तय होती है और वे केवल निर्देशों का पालन कर रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार, ओटीपी आधारित प्रणाली अनिवार्य है और जब तक उपभोक्ता के मोबाइल पर ओटीपी प्राप्त नहीं होता, तब तक गैस सिलेंडर उपलब्ध कराना संभव नहीं है।

सरकार से समानता की गुहार लगा रहे हैं ग्रामीण

इधर, ग्रामीण उपभोक्ताओं ने सरकार से मांग की है कि गैस वितरण में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच की इस असमानता को तत्काल समाप्त किया जाए। साथ ही, ओटीपी जैसी तकनीकी बाधाओं का शीघ्र समाधान कर व्यवस्था को सरल, पारदर्शी और सभी के लिए समान रूप से सुलभ बनाया जाए, ताकि आम जनता को राहत मिल सके और उन्हें बुनियादी सुविधा के लिए भटकना न पड़े।

भानुप्रतापपुर शासकीय अस्पताल में वसूली का मामला : समाचार प्रकाशन के बाद जागा प्रशासन, जांच के लिए गांव पहुंची टीम

भानुप्रतापपुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भानुप्रतापपुर में प्रसूताओं और उनके परिजनों से एंबुलेंस के नाम पर अवैध वसूली का मामला गरमाता जा रहा है। मीडिया में खबर प्रमुखता से प्रकाशित होने के बाद जिला प्रशासन हरकत में आया है। जिला मुख्यालय से स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की एक विशेष टीम जांच के लिए पीड़ित महिलाओं के घर पहुंची।

क्या है पूरा मामला?

शिकायत के मुताबिक, ग्राम चिचगांव की एक गर्भवती महिला को प्रसव के लिए भानुप्रतापपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वहां से उसे दल्ली राजहरा के एक निजी अस्पताल रेफर करने के बहाने वाहन चालक ने डीजल और चाय-नाश्ते के नाम पर 1200 रुपये की अवैध मांग की और राशि वसूली। हैरानी की बात यह है कि यह सिलसिला यहीं नहीं रुका। अगले ही दिन पुत्तरवाही और रसोली क्षेत्र से आई अन्य प्रसूताओं को भी कांकेर रेफर करने के नाम पर उनसे मोटी रकम वसूली गई। शासन द्वारा निःशुल्क एंबुलेंस सेवा दिए जाने के बावजूद गरीब ग्रामीणों से इस तरह की वसूली ने स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

अधिकारियों की दब्बिश और ग्रामीणों की उम्मीद – खबर के प्रभाव से आज जिला स्तरीय जांच टीम सीधे पीड़ितों के गांव पहुंची और उनके बयान दर्ज किए। ग्रामीणों ने टीम को आपबीती सुनाते हुए दोषी कर्मचारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

बीएमओ की भूमिका पर भी उठे सवाल – क्षेत्र में चर्चा है कि यह पूरा खेल स्थानीय संरक्षण के बिना संभव नहीं है। ग्रामीणों और सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि खंड चिकित्सा अधिकारी की नाक के नीचे लंबे समय से यह वसूली चल रही थी, लेकिन उन्होंने इस पर कभी संज्ञान नहीं लिया। अब देखना यह होगा कि जांच टीम निष्पक्ष कार्रवाई करती है या मामले को ठंडे बस्ते में डालने का प्रयास किया जाता है। प्रशासन की जांच से उम्मीद जगी है, लेकिन कार्रवाई केवल छोटे कर्मचारियों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। इस भ्रष्टाचार के लिए जिम्मेदार उच्चाधिकारियों की भी जवाबदेही तय होनी चाहिए।

धर्म स्वतंत्रता विधेयक के विरोध में मसीह समाज ने सौंपा ज्ञापन

कोण्डागांव। छत्तीसगढ़ में प्रस्तावित धर्म स्वतंत्रता विधेयक 2026 के विरोध में सोमवार को जिला मुख्यालय कोंडागांव में मसीह समाज द्वारा ज्ञापन सौंपा गया। जिला मसीह समाज के उपाध्यक्ष एंजेल नेताम के नेतृत्व में समाज के लोग सुबह 11 बजे मसीह कब्रिस्तान, आलबेड़ापारा में एकत्रित हुए और प्रस्तावित विधेयक को लेकर चर्चा की। चर्चा के दौरान समाज के लोगों ने आरोप लगाया कि राज्य में पहले से लागू मध्य प्रदेश धर्म स्वातंत्र्य अधिनियम 1968 का दुरुपयोग कर ईसाई समुदाय को प्रताड़ित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जबरन धर्मांतरण के आरोपों में गिरफ्तारियां, सामाजिक बहिष्कार, अंतिम संस्कार में बाधा, चर्च गतिविधियों पर रोक और हिंसा जैसी घटनाएं सामने आ रही हैं। इसके बाद दोपहर 12 बजे सभी लोग बाइक रैली के रूप में एसडीएम कार्यालय पहुंचे, जहां 12रू07 बजे नायब तहसीलदार नरेंद्र सिंह को राज्यपाल, मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन के माध्यम से प्रस्तावित विधेयक को वापस लेने और वर्तमान कानूनों की समीक्षा करने की मांग की गई।

रात के अंधेरे में रेत का 'काला खेल', प्रशासन की चुप्पी पर उठ रहे सवाल

भानुप्रतापपुर। जिले के दुर्गुकोंदल ब्लॉक में रेत का अवैध उत्खनन थमने का नाम नहीं ले रहा है। क्षेत्र की नदियों से रात के अंधेरे में धड़ल्ले से रेत निकाली जा रही है, लेकिन स्थानीय प्रशासन और खनिज विभाग की चुप्पी ने कई बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। आलम यह है कि यह मुद्दा अब सड़क से लेकर विधानसभा की दहलीज तक जा पहुंचा है, बावजूद इसके धरातल पर ठोस कार्रवाई शून्य है।

नियमों को ताक पर रखकर उत्खनन – स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि मायनिंग के कड़े नियमों को ताक पर रखकर रेत खदानों का संचालन किया जा रहा है। रात होते ही नदियों में मशीनों का शोर गूंजने लगता है और सैकड़ों ट्रैक्टर-ट्रॉली रेत खपा दी जाती है। खनिज और राजस्व विभाग की टीम कभी-कभार 'खानापूर्ति' के लिए निरीक्षण तो करती है, लेकिन बड़े सिंडिकेट पर हाथ डालने से कतरा रही है।

विधानसभा में गूँजा मामला, फिर भी विभाग सुस्त – दुर्गुकोंदल ब्लॉक में चल रहे इस अवैध कारोबार की गूँज हाल ही में विधानसभा में भी सुनाई दी। विपक्ष ने सरकार को घेरते हुए अधिकारियों की मिलीभगत के आरोप लगाए। इसके बावजूद, मैदानी स्तर पर स्थिति जस की तस बनी हुई है। ऐसा प्रतीत होता है कि विभाग केवल छोटी कार्रवाई कर अपनी पीठ थपथपा रहा है, जबकि मुख्य सरगना अब भी कानून की पकड़ से बाहर हैं।

सियासी घमासान : कांग्रेस-भाजपा में आरोप-प्रत्यारोप

भाजपा का कहना है कि यह सब पिछले भ्रष्टाचार की देन है और प्रशासन कार्रवाई की तैयारी कर रहा है। कांग्रेस का आरोप है कि सत्ता संरक्षण में रेत माफिया बेलगाम हो चुके हैं और नदियों का सीना छलनी किया जा रहा है।

दोनों ही दल एक-दूसरे पर – दोषारोपण कर रहे हैं, लेकिन इस बीच क्षेत्र की पारिस्थितिकी और राजस्व को भारी नुकसान पहुँच रहा है। अवैध रेत खनन से न केवल भूजल स्तर गिर रहा है, बल्कि शासन को मिलने वाली रॉयल्टी का भी करोड़ों का नुकसान हो रहा है। अगर जल्द ही बड़ी कार्रवाई नहीं हुई, तो ग्रामीण उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना बनी वरदान, एसबीआई की पहल से गरीब परिवार को मिले 2 लाख रुपए

केशकाल। भारतीय स्टेट बैंक द्वारा संचालित प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना आज आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए किसी वरदान से कम नहीं साबित हो रही है। इसका ताजा उदाहरण केशकाल क्षेत्र में देखने को मिला, जहां बैंक की सजगता से एक गरीब परिवार को 200000 रु की सहायता राशि प्राप्त हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, तेंदुभाटा निवासी खाताधारक सोमबत्ती जायसवाल का मार्च 2024 में बीमारी के चलते निधन हो गया था। परिवार को इस बात की जानकारी नहीं थी कि मृतका ने प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत बीमा पॉलिसी ले रखी थी। कुछ माह पूर्व मृतका के छोटे भाई सदानंद जायसवाल बैंक में खाता संबंधी जानकारी लेने पहुंचे, तभी बैंक कर्मचारियों ने उन्हें बीमा योजना के बारे में अवगत कराया। इसके बाद आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर सोमवार को मृतका की माता एवं नॉमिनी अंगारावती जायसवाल को एसबीआई शाखा में बुलाकर 2 लाख रु का चेक प्रदान किया गया। इस सम्बंध में शाखा प्रबंधक जीवन हेम्ब्रम ने बताया कि प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना सरकार द्वारा प्रायोजित एक वार्षिक जीवन बीमा योजना है, जिसके अंतर्गत पॉलिसीधारक की मृत्यु होने पर उसके परिवार को 2 लाख रु का बीमा कवर दिया जाता है। उन्होंने आगे बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में 12 तथा 2025-26 में अब तक 4 हितग्राहियों के निधन के पश्चात उनके नामांकित परिजनों को 2-2 लाख रु की राशि प्रदान की जा चुकी है। यह योजना न केवल जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान कर रही है, बल्कि कठिन समय में उनके लिए संबल भी बन रही है। इस दौरान बैंक कर्मचारी संदीप चौहान, एसबीआई लाईफ इन्सुरेंस अधिकारी नीरज कुमार उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

डीईओ ने अनुकंपा नियुक्ति के पूर्व मंगाई दावा-आपत्ति

बिलासपुर। जिला शिक्षा अधिकारी ने कार्यालय में अनुकंपा नियुक्ति के लिए प्राप्त 2 आवेदकों के आवेदन के छानबीन के क्रम में 15 दिवस के भीतर आमजनता से दावा आपत्ति मंगाई है। यदि आवेदक के परिवार के कोई भी सदस्य शासकीय सेवा में कार्यरत हो अथवा किसी प्रकार के अपराधिक या न्यायालीन मामले उनके विरूद्ध लंबित हो तो इसकी जानकारी उक्त समयावधि में बंद लिफाफे में या स्वयं कार्यालय में उपस्थित होकर जानकारी दे सकते है। डीईओ ने आगे बताया कि मस्तुरी ब्लॉक के शासकीय प्राथमिक शाला तेंदुवा में सहायक शिक्षक एलबी के पद पर कार्यरत स्व. श्री लक्ष्मीनारायण टंडन के परिवार से उनके पुत्र श्री शरद टंडन एवं जनपद पंचायत कोटा में सहायक आन्तरिक लेखा परीक्षण एवं करारोपण अधिकारी के पद पर कार्यरत स्व. भागवत सिंह ध्रुव के पुत्र श्री लोकेश कुमार ध्रुव ने अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन दिया है। आवेदकों के संबंध में जानकारी जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय, कक्ष क्रमांक 25 पुरानी कम्पोजिट बिल्डिंग प्रथम तल में निर्धारित अवधि में दिया जा सकता है। विलंब से प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

औद्योगिक सुरक्षा को मिलेगी नई दिशाः बिलासपुर में एकदिवसीय जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आज

बिलासपुर। औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा विभाग द्वारा औद्योगिक इकाइयों में सुरक्षा मानकों को सुदृढ़ करने एवं दुर्घटनाओं की संभावनाओं को शून्य करने के उद्देश्य से 25 मार्च 2026 को सवेरे 10 बजे से देवकीनंदन सभागृह, बिलासपुर में एकदिवसीय जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।कार्यक्रम की अध्यक्षता आयुक्त बिलासपुर संभाग सुनील जैन करेंगे। इस अवसर पर कलेक्टर संजय अग्रवाल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह, नगर निगम आयुक्त प्रकाश कुमार सर्वे तथा आईएचएस रायपुर के संचालक मनीष श्रीवास्तव सहित अन्य गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न स्पंज आयरन एवं औद्योगिक इकाइयों द्वारा सुरक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों एवं सकारात्मक पहलुओं पर प्रस्तुति दी जाएगी। साथ ही नुक्कड़ नाटक के माध्यम से श्रमिकों एवं प्रबंधन को सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं के प्रति जागरूक किया जाएगा। इस एक दिवसीय प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य औद्योगिक इकाइयों में शून्य दुर्घटना की अवधारणा को साकार करना है। पावर पॉइंट प्रस्तुतियों एवं संवादात्मक सत्रों के माध्यम से उपस्थित प्रतिभागियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा, जिससे वे अपने कार्यस्थल पर सुरक्षा मानकों का प्रभावी क्रियान्वयन कर सकें। कार्यक्रम में बिलासपुर सहित छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से औद्योगिक इकाइयों के प्रबंधन एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में भाग लेंगे, जिससे औद्योगिक सुरक्षा के प्रति व्यापक जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना विकसित होगी।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के संविदा पदों की पात्रता सूची जारी दावा आपत्ति 30 मार्च तक

बिलासपुर। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत विभिन्न रिक्त संविदा पदों फिजियोथेरेपिस्ट, डेंटल असिस्टेंट-एनओएचपी, फीडिंग डिमांसट्रेटर-एनआरसी, एमपीडब्ल्यू-यूएएएम, सेक्रेट्रियल असिस्टेंट-आईडीएसपी, एनपीसीबी, कुक-एनआरसी, क्लीनर-एसएनसीयू, आयाबाई-एसएनसीयू की पात्र-अपात्र सूची जारी कर दी गई है। सूची के संबंध में दावा आपत्ति निर्धारित प्रपत्र में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के नाम से 30 मार्च 2026 को शाम 5 बजे तक कार्यालय के आवक जावक शाखा में जमा कर सकते है। पदों की सूची एवं दावा आपत्ति का प्रारूप कार्यालय सूचना पटल पर एवं जिले की वेबसाईट पर देखा जा सकता है।

हटिया दुर्ग हटिया द्वि-साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन का नियमितीकरण अब एक्सप्रेस के रूप में चलेगी

बिलासपुर। रेल प्रशासन के द्वारा दुर्ग-हटिया-दुर्ग के मध्य 08185/08186 हटिया-दुर्ग-हटिया द्वि-साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जा रहा है 7 यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इस स्पेशल ट्रेन का नियमितीकरण कर इसे अब 18641/18642 हटियाङ्कदुर्गङ्कहटिया एक्सप्रेस के रूप में चलाने का निर्णय लिया गया है। नियमितीकरण होने के बाद यह गाड़ी नए नंबर 18641 हटिया-दुर्ग, द्वि-साप्ताहिक एक्सप्रेस, हटिया से दुर्ग के लिये प्रत्येक मंगलवार एवं गुरुवार को 02 अप्रैल 2026 से तथा 18642 दुर्ग-हटिया द्वि-साप्ताहिक एक्सप्रेस, दुर्ग से हटिया के लिए प्रत्येक बुधवार एवं शुक्रवार को 03 अप्रैल 2026 से चलेगी ।

संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्यवाही के निर्देश

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी आम लोगों की समस्याएं

बिलासपुर। जिला कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में आज कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने भी लोगों की समस्याएं सुनी। शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए सैकड़ों लोगों ने कलेक्टर से मिलकर निजी एवं सामुदायिक शिकायत संबंधी आवेदन दिया। कलेक्टर ने अधिकांश मामलों में मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस दौरान नगर निगम कमिश्नर श्री प्रकाश कुमार सर्वे एवं जिला पंचायत सीईओ श्री संदीप अग्रवाल ने भी लोगों की समस्याएं सुनी। जनदर्शन में ग्राम कछार के सुरेश कुमार बंजारे ने आवेदन देकर बताया कि गांव के ही राधेश्याम द्वारा घर के सामने गली में दीवार खड़ी कर रास्ता संकीर्ण कर दिया गया है, जिससे आवागमन के लिए काफी परेशानी हो रही है। कलेक्टर ने एसडीओ को प्रकरण भेजते हुए परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। बिलासपुर की उत्तरा यादव के द्वारा विधवा पेंशन का लाभ दिलाने की मांग कलेक्टर के समक्ष रखी गई। इस संबंध में संयुक्त संचालक समाज कल्याण विभाग को जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। ग्राम जरौंधा निवासी

परमानंद कौशिक ने कलेक्टर से मुलाकात कर आवेदन दिया कि उनकी निजी भूमि पर गांव के ही गोपाल मेहर द्वारा अवैध रूप से कब्जा कर दीवार खड़ी कर दी गई है और रास्ते में कीचड़युक्त पानी बहाकर आवागमन में बाधा उत्पन्न कर रहा है। इससे खेती-किसानी के कार्यों में भारी परेशानी हो रही है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में पहले भी शिकायत की जा चुकी है और न्यायालय से कब्जा हटाने का आदेश भी मिला था, लेकिन अब तक कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने प्रशासन से पुन: हस्तक्षेप कर अवैध कब्जा हटाने की मांग की है। देवरीखुर्द निवासी पुरुषोत्तम दास ने प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना के तहत स्वामित्व कार्ड जारी करने की मांग की है। उन्होंने बताया कि वे पिछले 50 वर्षों से निवास कर रहे हैं और उनकी पत्नी के नाम पर पट्टा भी है, लेकिन अब तक उन्हें स्वामित्व कार्ड नहीं मिला है। उन्होंने प्रशासन से शीघ्र कार्ड जारी करने की अपील की है ताकि उन्हें अपने अधिकारों का लाभ मिल सके। कलेक्टर ने एसडीओ मस्तुरी को मामले पर उचित कार्यवाही के निर्देश दिए। सकरी तहसील अंतर्गत ग्राम चिचिरदा निवासी धनीराम कौशि ने कलेक्टर को दिए आवेदन में बताया कि उन्होंने अपनी भूमि के सीमांकन के लिए आवेदन किया था। तहसीलदार द्वारा राजस्व निरीक्षक को सीमांकन करने का आदेश भी जारी किया गया, लेकिन आज तक सीमांकन नहीं किया गया है। इससे उन्हें लगातार परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कलेक्टर ने एसडीओ तखतपुर को प्रकरण की जांच कर निराकरण करने के निर्देश दिए है। बिल्हा ब्लॉक के ग्राम नगपुरा निवासी रूचि नेताम ने बताया कि उन्होंने जाति प्रमाण पत्र बनवाने के लिए वर्ष 2024-25 में आवेदन किया था। काफी समय बीत जाने के बाद भी प्रमाण पत्र जारी नहीं हुआ। दस्तावेज की कमी के अभाव में उनकी पढ़ाई प्रभावित हो रही है।

नशे और सड़क हादसों पर प्रशासन सख्त,स्कूलों के आसपास गुटखा दुकानों पर लगेगा प्रतिबंध..

- स्कूलों के 100 मीटर दायरे में तंबाकू बिक्री पर रोक, कलेक्टर के सख्त निर्देश
- नशा मुक्त परिसर और सुरक्षित सड़कें प्राथमिकता : कलेक्टर

बिलासपुर। जिले में नशा नियंत्रण और सड़क सुरक्षा को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए व्यापक रणनीति तैयार की है। इसी कड़ी में कलेक्टर संजय अग्रवाल ने कोटपा एक्ट, एनकार्ड एवं सड़क सुरक्षा समिति की संयुक्त बैठक लेकर अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए। बैठक में एसएसपी रजनेश सिंह सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने बैठक में स्पष्ट किया कि स्कूल और कॉलेजों के 100 मीटर के दायरे में किसी भी प्रकार की गुटखा, पान एवं तंबाकू उत्पादों की बिक्री पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगी। उन्होंने निर्देश दिए कि ऐसे दुकानों की पहचान कर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही स्कूल प्रबंधन को भी निगरानी की जिम्मेदारी सौंपते हुए प्रमाण पत्र लेने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि नशा केवल कानून व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि एक सामाजिक चुनौती है, जिससे निपटने के लिए समाज के सभी वर्गों की सहभागिता आवश्यक है। एसएसपी रजनेश सिंह ने शिक्षा विभाग को निर्देशित किया कि 100 मीटर के दायरे में संचालित पान-गुटखा दुकानों का सर्वे कर सूची तैयार की जाए, ताकि लक्षित कार्रवाई की जा सके। उन्होंने कहा कि नशा कारोबारियों की गतिविधियों अवसर स्कूल-कॉलेजों के आसपास केंद्रित रहती हैं, इसलिए पुलिस द्वारा इन क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जा रही है। जागरूकता के साथ कड़ी दंडात्मक कार्रवाई भी जारी रहेगी। सड़क सुरक्षा पर चर्चा के दौरान कलेक्टर ने कोटा क्षेत्र में बढ़ती दुर्घटनाओं पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि अव्यवस्थित एवं मानकों के विपरीत बनाए गए स्पीड ब्रेकर दुर्घटनाओं का कारण बन रहे हैं। प्रत्येक बड़ी दुर्घटना का विश्लेषण कर उसके आधार पर सुधारात्मक कदम उठाने तथा नई सड़कों में ब्लैक स्पॉट नहीं बनने देने के निर्देश दिए गए। एसएसपी ने बताया कि चालू तिमाही में सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु दर में चिंताजनक वृद्धि हुई है। इस वर्ष अब तक 71 लोगों की मृत्यु हुई है, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह आंकड़ा 33 था। उन्होंने नशे की हालत में वाहन चलाने वालों के लाइसेंस निलंबन के बाद निगरानी रखने और पुन: उल्लंघन पर लाइसेंस निरस्त करने की बात कही।

लू से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी कामगार श्रमिक रखें विशेष सावधानियां

बिलासपुर। ग्रीष्म ऋतु के दौरान चलने वाली हीट वेव (लू) से बचाव के लिए राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा आमजनों के लिए एडवाइजरी जारी की गई है। जारी एडवाइजरी में हीट वेव के समय आमजनों, नियोक्ता और श्रमिकों, पुलिस एवं यातायात कार्मिक एवं वरिष्ठ नागरिकों को इससे बचाव के लिए आवश्यक सावधानियां बरतने की सलाह दी गई है। लू के दौरान क्या करें और क्या न करें -जितना हो सके पर्याप्त पानी पिए, भले ही प्यास न लगी हो। मिर्गी, हृदय, गुर्दे या लीवर से संभावित रोग वाले जो तरल प्रतिबंधित आहार लेते हों, तरल पदार्थ लेने से पहले डॉक्टर से परामर्श ले। हल्के, हल्के रंग के, ढीले सूती कपडे पहने। ओआरएस घोल, घर का बना पेय लस्सी, (बोरे बासी) चावल का पानी, नीबू का पानी, छाछ, आदि का उपयोग करें। बाहर जाने से बचें। यदि बाहर जाना आवश्यक है, तो अपने सिर (कपडे/टोपी या छाता) और चेहरे को ढकें। जहा तक संभव हो किसी भी सतह को छूने से बचे। अन्य सावधानियां -जितना हो सके घर के अंदर रहे। अपने घर को ठंडा रखें-धूप से बचाव के लिए पर्दे, शटर का उपयोग करें और खिड़किया खोले। निचली मंजिलो पर बने रहने का प्रयास करें। पखो का उपयोग करें, कपड़ों को नम करें और अधिक गर्मी में ठंडे पानी में ही स्नान करें। यदि आप बीमार महसूस करते है उच्च बुखार, लगातार सिरदर्द, चक्कर आना, मतली या भटकाव, लगातार खांसी, सांस की तकलीफ है तो तुरंत डॉक्टर को दिखाये। जानवरों को छाया में रखें और उन्हें पीने के लिए भरपूर पानी दे। उल्टी, सर दर्द, तेज बुखार की दशा में निकट के अस्पताल अथवा स्वास्थ्य केन्द्र से जरूरी सलाह लिया जाये। लू लगने पर किये जाने वाला प्रारंभिक उपचार - बुखार पीड़ित व्यक्ति के सर पर ठण्डे पानी की पट्टी लगायें। अधिक पानी व पेय पदार्थ पिलावे जैसे कच्चे आम का पना, जल जीरा आदि। पीड़ित व्यक्ति को पंखे के नीचे हवा में लिटा देखें। शरीर पर ठण्डे पानी का छिडकाव करते रहे। पीड़ित व्यक्ति को यथाशीघ्र किसी नजदीकी चिकित्सा केन्द्र में उपचार हेतु ले जायें। मितानिन, ए.एन.एम से ओआरएस के पैकेट हेतु सपर्क करें। क्या न करें -गर्मी के दौरान बाहर न जाएं। यदि आपको आवश्यक कार्य के लिए बाहर जाना है, तो दिन के शीतलन घंटो के दौरान अपनी सारणी निर्धारित करने का प्रयास करें।

रेलवे सुरक्षा बल,दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा राष्ट्रीय महिला आयोग के सहयोग से रायपुर में मानव तस्करी रोधी जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया...

बिलासपुर। दिनांक 23.03.2026 को रायपुर के वैगन रिपेयर शॉप कालोनी स्थित रेलवे उल्लास भवन, सभागार में मानव तस्करी की रोकथाम हेतु मानव तस्करी रोधी जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती डेलिना खोंगडुप, सदस्य, राष्ट्रीय महिला आयोग उपस्थित रहीं। साथ ही श्रीमती नौशीना आफरीन अली, वरिष्ठ अधिवक्ता, माननीय उच्च न्यायालय बिलासपुर, श्री संजीव शुक्ला, पुलिस आयुक्त रायपुर, श्री दिव्यांग पटेल, रेलवे पुलिस अधीक्षक, श्री पी. दयानंद, मंडल रेल प्रबंधक रायपुर तथा श्री विपिन ठाकुर, छत्तीसगढ़ प्रदेश प्रमुख, बचपन बचाओ आंदोलन भी उपस्थित रहे।कार्यक्रम का शुभारंभ लगभग 11:15 बजे महानिरीक्षक-सह-प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त, रेलवे सुरक्षा बल द्वारा अतिथियों का स्वागत करते हुए स्वागत उद्बोधन के साथ किया गया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का

शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि महोदया के उद्बोधन उपरांत विभिन्न अनुभवी वक्ताओं द्वारा मानव तस्करी रोधी विषय पर विस्तृत व्याख्यान दिया गया तथा अपने अनुभव साझा किए गए। इस कार्यशाला में स्थानीय पुलिस, शासकीय रेलवे पुलिस, रेलवे सुरक्षा बल, वाणिज्य विभाग, परिचालन विभाग, स्टेशन में कार्यरत कुली एवं विभिन्न गैर-सरकारी संगठनों के लगभग 222 प्रतिभागियों ने भाग लिया। रेलवे सुरक्षा बल के द्वारा मानव तस्करी की रोकथाम हेतु इस तरह के सेमीनार समय-समय पर आयोजित किया जाता रहा है। जो मानव तस्करी की रोकथाम में कारगर साबित हुई है।

राजस्व मामलों के निराकरण के लिए गांव-गांव में लगेंगे समाधान शिविर

- राजस्व पखवाड़ा का प्रथम चरण 01 अप्रैल से 15 अप्रैल तक
- कलेक्टर ने व्यापक प्रचार-प्रसार के दिए निर्देश

बिलासपुर। राजस्व मामलों के निराकरण के लिए राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के निर्देशानुसार जिले में राजस्व पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें गांव-गांव में समाधान शिविर लगाकर किसानों और ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान किया जाएगा। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने आज समय-सीमा की बैठक में इसकी समीक्षा की और कहा कि किसानों एवं ग्रामीणों की समस्याओं का तत्परता से निराकरण मौके पर ही समाधान शिविर में किया जाए। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों और किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। कलेक्टर ने राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के निर्देशों के अनुरूप शिविर के लिए एजेण्डा जारी कर दिए हैं। उन्होंने शिविर का कोटवारों और अन्य माध्यमों से अधिक से प्रचार करने को कहा है, ताकि ज्यादा से ज्यादा ग्रामीण और किसान शिविरों का फायदा उठा सकें। राजस्व पखवाड़ा का आयोजन तीन चरणों में किया जाएगा। प्रथम चरण 01 अप्रैल से 15 अप्रैल, द्वितीय चरण 04 मई से 18 मई तथा तृतीय चरण 01 जून से 15 जून 2026 तक आयोजित होगा। इन शिविरों में राजस्व अमला गांव स्तर पर पहुंचकर विभिन्न लंबित प्रकरणों का निराकरण करेगा। अभियान के तहत अविवादित नामांतरण, खाता विभाजन, सीमांकन, नक्शा बंटांकन, व्यपवर्तन एवं वृक्ष कटाई से संबंधित समय-सीमा से बाहर प्रकरणों का शत-प्रतिशत निराकरण किया जाएगा। साथ ही फौती नामांतरण, बंटवारा एवं अभिलेख त्रुटि सुधार के प्रकरणों का ऑनलाइन पंजीयन, नोटिस जारी कर सुनवाई एवं निराकरण भी शिविर स्थल पर ही किया जाएगा। इसके अतिरिक्त जनहानि, फसल क्षति एवं पशु हानि से संबंधित आरबीसी 6-4 के प्रकरणों का त्वरित निराकरण किया जाएगा। भू-अर्जन संबंधी प्रकरणों में समय-सीमा का पालन सुनिश्चित किया जाएगा तथा सेवा शुल्क की अद्यतन जानकारी संधारित की जाएगी। भूमिस्वामियों के खातों में आधार, मोबाइल नंबर, जेंडर एवं किसान किताब की प्रविष्टि शत-प्रतिशत पूर्ण करने पर विशेष जोर रहेगा। साथ ही राजस्व अभिलेखों की शुद्धता सुनिश्चित करते हुए त्रुटिपूर्ण, संदेहास्पद एवं शून्य रकबा वाले खसरों का निराकरण किया जाएगा।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला निवेश प्रोत्साहन समिति की बैठक

- जिले में इस वर्ष 12 नए उद्योग स्थापित, 50 करोड़ से अधिक का पूंजी निवेश
- औद्योगिक विकास को गति देने भूमि, बैंकिंग और अधोसंरचना पर जोर

बिलासपुर। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में जिला निवेश प्रोत्साहन समिति की बैठक जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक का आयोजन जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र द्वारा किया गया, जिसमें जिले में निवेश, उद्योग स्थापना और विभिन्न योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में मुख्य महाप्रबंधक सी.आर. टेकाम ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान हुए निवेश की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिले में इस वर्ष 12 नए उद्योग स्थापित हुए हैं, जिनमें कुल 50 करोड़ 80 लाख रुपये का पूंजी निवेश हुआ है। इन उद्योगों के माध्यम से 237 लोगों को रोजगार प्राप्त हुआ है। इसके साथ ही बैठक में शासकीय एवं निजी भूमि के संयुक्त निरीक्षण, भूमि हस्तांतरण एवं अर्जन से संबंधित प्रकरणों की जानकारी भी प्रस्तुत की गई। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि भूमि अभिलेखों में स्पष्ट रूप से यह सुनिश्चित किया जाए कि संबंधित भूमि पर कोई वन क्षेत्र या पेड़-पौधों का विवाद न हो, जिससे निवेश प्रक्रियाएं बाधित न हों। शासन की हितग्राही मूलक योजनाओं की समीक्षा के दौरान प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) एवं मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना (सीएमएफएमई/पीएमएफएमई संदर्भ) के तहत लक्ष्यों की प्रगति पर चर्चा हुई। बताया गया कि पीएमईजीपी में 50 प्रकरणों को बैंक स्वीकृति मिली, जबकि 20 प्रकरणों में ऋण वितरण किया गया। वहीं पीएमएफएमई योजना में 110 के लक्ष्य के विरुद्ध 106 प्रकरणों को स्वीकृति और 80 प्रकरणों में ऋण वितरण किया गया। कलेक्टर ने

पर्यावरण संरक्षण मंडल में लंबित औद्योगिक प्रकरणों के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। साथ ही सिरगिट्टी औद्योगिक क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट व्यवस्था को दुरुस्त करने हेतु संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई करने को कहा। बैठक में जिले के ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में औद्योगिक विकास की संभावनाओं पर भी चर्चा की गई। कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि ऐसे विकासखंडों की जानकारी एकत्रित की जाए, जहां 10 किलोमीटर की परिधि में मल्टीप्लेक्स या सीबीएसई स्कूल संचालित नहीं हैं, ताकि औद्योगिक विकास नीति 2024-30 के अंतर्गत निजी निवेश को प्रोत्साहित किया जा सके। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे और जिले में निवेश को बढ़ावा देने के लिए समन्वित प्रयासों पर जोर दिया गया। इन उद्योगों की हुई इस साल स्थापना -बिलासपुर जिले में इस साल अब तक 1 दर्जन औद्योगिक ईकाईयों की स्थापना हुई है। इनमें एचपीएस इंडस्ट्रीज, एलएलपी ग्राम सिलपहरी में साज-सज्जा, बुने हुए कपड़े और धागे के शेड निर्माण, विक्रम प्रताप सिंह तखतपुर सोलर एनर्जी, सुरेन्द्र सिंह परिहार तखतपुर सोलर एनर्जी, सपन एग्रो फैड सिलपहरी में कैटल फैड, सनराईज मेटल तिफरा में एल्युमिनियम इंगाट फेब्रीकेटेड मेटल प्रोडक्ट अदर हाउसहोल्ड आर्टिकल्स, श्री हनुमत राईस मिल गिधौरी राईस मिल, गिरधर मिल सिलपहरी राईस मिल, श्री बालाजी सिलपहरी राईस मिल, आई मैक लिमिटेड सकरी तखतपुर में फेल्ट या नॉनवॉवन से बने वस्त्र प्लास्टिक रबर या अन्य सामग्रियों से संसेचित वस्त्रों से बने वस्त्र, जीबी फुड वर्क्स में मैनुफेक्चरिंग ऑफ ब्रेकफास्ट एण्ड अदर, एम्बर प्लास्ट इण्डस्ट्रीज में पॉलिमर सिंथेटिक पीवीसी वाटर टैंकों का निर्माण एवं सिद्धि विनायक वेयरहाउस रतनपुर में स्टोरेज एवं वेयरहाउस शामिल है।

चैत्र नवरात्रि के सातवें दिन मां कालरात्रि की पूजा

चैत्र नवरात्रि का सातवां दिन देवी दुर्गा के शक्तिशाली और उग्र रूप, मां कालरात्रि को समर्पित है। यह पवित्र दिन नवरात्रि के उत्तरार्ध में आता है, जब साधक अपने गहरे भय, कर्म संबंधी बाधाओं और व्याप्त नकारात्मकता का सामना करने के लिए तैयार होता है। मां कालरात्रि शक्ति का वह रूप हैं जो अंधकार, अज्ञान और छिपे हुए भय का नाश करती हैं। हालांकि उनका रूप तीव्र और भयावह है, लेकिन उनका आशीर्वाद हमेशा सुरक्षात्मक और शुभ होता है। भक्त चैत्र नवरात्रि के सातवें दिन उनकी पूजा करके शक्ति, साहस, आध्यात्मिक स्पष्टता और निरंतर समस्याओं से मुक्ति प्राप्त करते हैं। 2026 में, चैत्र नवरात्रि का सातवां दिन 25 मार्च को पड़ा है।

चैत्र नवरात्रि के सातवें दिन पूजी जाने वाली देवी, मां कालरात्रि, देवी दुर्गा का सातवाँ रूप हैं। वे दिव्य ऊर्जा के उग्र स्वरूप का प्रतिनिधित्व करती हैं जो अज्ञान, भय और गहरी नकारात्मकता का नाश करती है। उनका नाम दो शब्दों से मिलकर बना है - काल (समय या अंधकार) और रात्रि (रात)। मां कालरात्रि समय की परिवर्तनकारी शक्ति की स्वामी हैं जो भ्रमों को दूर करती है और आत्मा को जागृति के लिए तैयार करती है। उन्हें शुभंकरी के नाम से भी जाना जाता है, जिसका अर्थ है शुभ फल देने वाली। लंबे समय से चली आ रही समस्याओं, भय, मानसिक अशांति या कर्मों के बोझ से ग्रस्त भक्त सुरक्षा और आंतरिक शक्ति के लिए मां कालरात्रि की पूजा करते हैं।

कौन हैं माँ कालरात्रि?

चैत्र नवरात्रि के सातवें दिन के आध्यात्मिक महत्व:

चैत्र नवरात्रि के सातवें दिन के आध्यात्मिक महत्व को बताता है, जिसमें मां कालरात्रि की पूजा, पूजा विधि, भोग, अनुष्ठान, रंग, ग्रहों और चक्रों से संबंध और उनके दिव्य रूप के गहन अर्थ पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

भक्तों के आंतरिक भय को दूर करती हैं माँ कालरात्रि

चैत्र नवरात्रि केवल अनुष्ठानों का क्रम नहीं है; यह एक क्रमिक आंतरिक यात्रा है । सातवें दिन तक, भक्त अनुशासन, भावनात्मक संतुलन और चेतना की शक्ति विकसित कर चुका होता है। सातवां दिन वह अवस्था है जब भय का सामना सीधे करना चाहिए , उससे बचना नहीं चाहिए। चैत्र नवरात्रि का सातवां दिन उस क्षण का प्रतीक है जब आध्यात्मिक चेतना मन की गहरी परतों में प्रवेश करती है। माँ कालरात्रि की ऊर्जा भक्तों को आंतरिक भय, दमित भावनाओं और कर्मिक अवरोधों का प्रतिरोध करने के बजाय साहस और समर्पण के साथ सामना करने में मदद करती है।

सातवें दिन का ज्योतिषीय और आध्यात्मिक परिप्रेक्ष्य

ज्योतिषीय और आध्यात्मिक दृष्टि से, चैत्र नवरात्रि का सातवां दिन धीरज, कर्मों के शुद्धिकरण और आंतरिक अनुशासन से जुड़ा है। मां कालरात्रि की ऊर्जा जीवन के उन चरणों में विशेष रूप से सहायक होती है जब चुनौतियां लंबी लगती हैं और समाधान में देरी होती है। उनकी पूजा यह सिखाती है कि हर अंधकार नकारात्मक नहीं होता - कुछ अंधकार आत्मा को गहरी शक्ति और ज्ञान के लिए तैयार करने के लिए होता है। सातवां दिन धैर्य, समर्पण और मौन दृढ़ता को प्रोत्साहित करता है।

चैत्र नवरात्रि का सातवां दिन (2026) तिथि एवं समय

चैत्र नवरात्रि का सातवां दिन सप्तमी तिथि को मनाया जाता है , जो धीरज, आंतरिक शक्ति और आध्यात्मिक सुरक्षा का प्रतीक है। हिंदू पंचांग के अनुसार चैत्र नवरात्रि के सातवें दिन (2026) के महत्वपूर्ण अनुष्ठानों का विवरण नीचे दिया गया है :

चैत्र नवरात्रि का सातवां दिन, तिथि : बुधवार, 25 मार्च 2026।
तिथि : सप्तमी .
अभिजीत मुहूर्त : नवरात्रि के सातवें दिन, अन्य दिनों के विपरीत, कोई अभिजीत मुहूर्त नहीं होता है।
विजय मुहूर्त : दोपहर 02 :30 बजे से 03 :19 बजे तक।
इस दिन, भक्त अपना नवरात्रि व्रत जारी रखते हैं और श्रद्धा, धैर्य और आंतरिक स्थिरता के साथ मां कालरात्रि की पूजा करते हैं।
महामायायै स्वाहा।'

पूजा विधि का चरण-दर-चरण पालन

चरण 1 : सुबह की शुद्धि सूर्योदय से पहले उठें, स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र पहनें।
चरण 2 : पूजा स्थल तैयार करें स्थान को साफ करें, दीया और अगरबत्ती जलाएं और माँ कालरात्रि की प्रतिमा स्थापित करें।
चरण 3 : संकल्प सुरक्षा, साहस और भय से मुक्ति के लिए संकल्प लें।
चरण 4 : आहुति भोग के रूप में फूल, जल और गुड़ अर्पित करें।
चरण 5 : मंत्र जप एकाग्र मन से माँ कालरात्रि मंत्र का जाप करें।
चरण 6 : ध्यान शांत बैठें और अपनी आंतरिक शक्ति पर चिंतन करें।
चरण 7 : आरती और समापन आरती करें और कृतज्ञता के साथ समापन करें।
माँ कालरात्रि मंत्र और इसका महत्व
1. 'ॐ कालरात्र्यै नमः।
2. 'ॐ ह्रीं श्री क्लीं दुर्गति नाशिन्यै

व्रत रखना शरीर के लिए क्यों है जरूरी ?

नवरात्रि की शुरुआत आज से हो गई है, ऐसे में कई लोग इस दौरान पूरे 9 दिन के व्रत रखते हैं, लेकिन क्या आपको पता है व्रत रखने से शरीर को क्या लाभ होते हैं? आइए जानते हैं।

शरीर को अंदर से रीसेट करने का बेहतरीन मौका-

19 मार्च से नवरात्रि का आरंभ हो गया है। भक्त इन दिनों का इंतजार पूरे साल करते हैं, हालांकि साल में 2 बार नवरात्रि आते हैं। इस दौरान हम में से कई लोग पूरे 9 दिनों तक उपवास रखते हैं, लेकिन नवरात्रि में व्रत रखना सिर्फ एक धार्मिक परंपरा नहीं है, बल्कि इसके पीछे गहरी आयुर्वेदिक सोच भी छिपी हुई है। अक्सर लोग इसे सिर्फ पूजा-पाठ या आस्था से जोड़कर देखते हैं, लेकिन अगर आयुर्वेद की नजर से समझें तो यह शरीर को अंदर से रीसेट करने का एक बेहतरीन मौका होता है।

पाचन तंत्र को मिलता है आराम-

दरअसल, नवरात्रि ऐसे वक्त पर आती है, जब मौसम बदल रहा होता है। इस बदलाव का असर सीधे हमारे शरीर पर पड़ता है। आयुर्वेद के अनुसार, इस दौरान शरीर में वात और पित्त दोष असंतुलित हो सकते हैं, जिससे पाचन कमजोर होता है और बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में जब हम नवरात्रि में व्रत रखते हैं और हल्का, सात्विक भोजन जैसे फल, कुट्टू, सिंघाड़ा, दही या साबूदाना खाते हैं, तो हमारा पाचन तंत्र थोड़ा आराम पाता है। रोज-रोज भारी, तला-भुना और

मसालेदार खाना खाने से जो दबाव बनता है, वह कम हो जाता है। इससे शरीर को खुद को ठीक करने का समय मिलता है।

महसूस करते हैं ऊर्जा-

आयुर्वेद में पाचन शक्ति (अग्नि) को बहुत अहम माना गया है अगर अग्नि मजबूत है, तो शरीर स्वस्थ रहता है। व्रत रखने से यह अग्नि दोबारा सक्रिय होती है और शरीर में जमा टॉक्सिन्स बाहर निकलने लगते हैं। यही कारण है कि व्रत के दौरान लोग खुद को हल्का और ज्यादा ऊर्जावान महसूस करते हैं।

मेंटल डिटॉक्स-

सिर्फ शरीर ही नहीं, नवरात्रि का व्रत मन पर भी असर डालता है। इस दौरान लोग ध्यान, पूजा और संयम का पालन करते हैं, जिससे मानसिक शांति मिलती है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में यह एक तरह का मेंटल डिटॉक्स की तरह काम करता है।

गर्मियों में बढ़ जाती हैं आंखों से जुड़ी समस्याएं

गर्मियों में चिलचिलाती धूप हमारी आंखों के लिए भी परेशानी पैदा कर देती है। तेज धूप में बाहर निकलने पर आंखों में परेशानी महसूस होने लगती है। तेज अल्ट्रावायलेट किरणें, धूल भरी हवाएं और बढ़ता तापमान आंखों के लिए नुकसानदायक है। अधिकतर लोग स्किन को धूप से बचाने के लिए सनस्क्रीन लगा लेते हैं, लेकिन आंखों की सुरक्षा नहीं करते हैं। इसकी वजह से आंखों में एलर्जी, कंजंक्टिवाइटिस, ड्राई आई और जलन जैसी समस्याएं हो जाती हैं। डॉक्टर्स की मानें तो गर्मियों में आंखों का भी विशेष खयाल रखना चाहिए, ताकि आंखें हेल्दी बनी रहें।

गर्मियों में आई फ्लू यानी कंजंक्टिवाइटिस के मामले तेजी से बढ़ते हैं। यह संक्रमण बैक्टीरिया या वायरस की वजह से होता है, जिससे आंखें लाल हो जाती हैं, उनमें खुजली होती है और विपचिया पदार्थ निकलने लगता है। पसीने के कारण हम बार-बार अपनी आंखों को छूते हैं, जिससे हाथों पर मौजूद बैक्टीरिया आंखों तक पहुंच जाते हैं। इससे बचने के लिए जरूरी है कि आप अपने हाथों को बार-बार धोएं और संक्रमित व्यक्ति की चीजों का इस्तेमाल न करें।

तेज गर्मी और लू के कारण आंखों की प्राकृतिक नमी कम हो जाती है और इससे आंखों में ड्राइनेस आने लगती है। इसके अलावा गर्मियों में हम लंबे समय तक एयर कंडीशनर के सामने बैठते हैं, जो आंखों के आंसू सुखा देता है।

आंखों में जलन, रेत जैसा महसूस होना और धुंधलापन आ सकता है। इससे बचाव के लिए डॉक्टर की सलाह पर लुब्रिकेटिंग आई ड्रॉप्स का इस्तेमाल करें। गर्मियों में धूल-मिट्टी और पसीने के कारण आंखों की पलकों के पास मौजूद तेल ग्रंथियां बंद हो जाती हैं, जिससे वहां गांठ या दाना निकल आता है, जिसे गुहेरी कहते हैं। इससे बचने के लिए आंखों की सफाई का खास ख्याल रखें। बाहर से आने के बाद चेहरा जरूर धोएं और आंखों के पास गंदगी जमा न होने दें।

आज का राशिफल

मेष राशि - कल का दिन आपके लिए मानसिक तनाव और उलझनों से भरा रह सकता है। किसी जरूरी कार्य को लेकर चिंता बनी रहेगी, जिससे आपका फोकस बार-बार भटक सकता है। व्यापार-व्यवसाय में नुकसान के संकेत हैं, इसलिए किसी भी प्रकार का बड़ा निर्णय सोच-समझकर लें। खासकर पार्टनर पर आंख बंद करके भरोसा करना भारी पड़ सकता है।

वृषभ राशि - कल का दिन आपके लिए नए अवसर लेकर आ सकता है। यदि आप किसी नए कार्य की शुरुआत करना चाहते हैं तो समय अनुकूल है। व्यापार-व्यवसाय में लाभ के संकेत हैं और कोई नई पार्टनरशिप आपको आर्थिक मजबूती दे सकती है। परिवार में सकारात्मक माहौल रहेगा और पैतृक संपत्ति से जुड़ा कोई मामला आपके पक्ष में जा सकता है।

मिथुन राशि - कल का दिन सामान्य रहेगा, लेकिन आपको सतर्क रहने की जरूरत है। स्वास्थ्य में हल्का उतार-चढ़ाव बना रह सकता है, जिससे दिनचर्या प्रभावित हो सकती है। परिवार में किसी करीबी के व्यवहार से मन अशांत हो सकता है। व्यापार में कोई बड़ा बदलाव करने से बचें, क्योंकि इससे नुकसान हो सकता है।

कर्क राशि - कल आपको किसी महत्वपूर्ण कार्य के लिए यात्रा करनी पड़ सकती है, लेकिन जल्दबाजी से बचें। वाहन चलाते समय विशेष सावधानी रखें, क्योंकि दुर्घटना की संभावना बन रही है। स्वास्थ्य में गिरावट महसूस हो सकती है और किसी अपने से जुड़ी दुखद खबर मन को परेशान कर सकती है। व्यापार में पार्टनर पर आंख मूंदकर भरोसा करना नुकसानदायक साबित हो सकता है।

सिंह राशि - कल का दिन आपके लिए राहत और खुशी लेकर आएगा। पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। धार्मिक यात्रा या किसी शुभ कार्य का विचार बन सकता है। घर में मांगलिक कार्य के योग बन रहे हैं और किसी खास मेहमान का आगमन भी संभव है।

कन्या राशि - कल किसी अनुभवी या प्रभावशाली व्यक्ति से मुलाकात आपके जीवन की दिशा बदल सकती है। हालांकि स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं आपको परेशान कर सकती हैं और आर्थिक खर्च बढ़ा सकती हैं। व्यापार में किसी बड़े बदलाव से बचें, क्योंकि जोखिम ज्यादा है। परिवार में पैतृक संपत्ति को लेकर विवाद हो सकता है।

तुला राशि-कल आपको किसी जरूरी कार्य के लिए यात्रा करनी पड़ सकती है। परिवार में किसी परिचित को खोने का दुखद समाचार मिल सकता है, जिससे मन भारी रहेगा। व्यापार में नुकसान के संकेत हैं और पार्टनर का सहयोग कमजोर पड़ सकता है।

वृश्चिक राशि - कल का दिन आपके लिए प्रगति का संकेत दे रहा है। लंबे समय से रुका हुआ कार्य किसी प्रभावशाली व्यक्ति की मदद से पूरा हो सकता है। व्यापार में आर्थिक लाभ होगा और नई योजना पर काम शुरू कर सकते हैं। परिवार में सहयोग मिलेगा और जीवनसाथी से संबंध मजबूत होंगे।

धनु राशि- कल नए कार्य या पार्टनरशिप में जल्दबाजी करना नुकसानदायक हो सकता है। पहले पूरी जानकारी लें, फिर ही निर्णय लें। किसी को उधार देना कल भारी पड़ सकता है। परिवार में जीवनसाथी से मतभेद हो सकते हैं और बच्चों की पढ़ाई को लेकर चिंता बनी रहेगी।

मकर राशि - कल स्वास्थ्य को लेकर सावधानी बरतें, खासकर बीपी या तनाव से जुड़ी समस्याएं बढ़ सकती हैं। माता-पिता के स्वास्थ्य को लेकर चिंता बनी रहेगी। बच्चों की पढ़ाई के लिए स्थान परिवर्तन का विचार बन सकता है। कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी और किसी प्रभावशाली व्यक्ति से मुलाकात लाभदायक रहेगी।

कुंभ राशि- कल किसी अनजान व्यक्ति की बातों में आकर आप अपने पार्टनर पर शक कर सकते हैं, जिससे रिश्ते में तनाव बढ़ सकता है। बिना प्रमाण के आरोप लगाने से बचें, संयम और समझदारी से काम लें, वरना संबंध खराब हो सकते हैं।

मीन राशि- कल आपके प्रयासों में बाधाएं आ सकती हैं और विरोधी सक्रिय रहेंगे। कार्यक्षेत्र में आपको दबाव महसूस हो सकता है। व्यापार में गिरावट का अनुभव होगा। हालांकि स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। परिवार में संपत्ति को लेकर विवाद हो सकता है, इसलिए धैर्य से काम लें।

– ज्योतिष गुरु पंडित अतुल शास्त्री

सोने से पहले पैरों का भी खास देखभाल

दिनभर की भागदौड़ के बाद हमारे पैरों को भी खास देखभाल की जरूरत होती है, क्योंकि पूरे शरीर का भार सबसे ज्यादा वही संभालते हैं। जब स्किन केयर की बात आती है तब अक्सर हम अपने पैरों को भूल जाते हैं। इससे फटी एड़ियां की परेशानी हो सकती है। ऐसे में रात के समय कुछ मिनट निकालकर की गई फुट केयर रूटीन न सिर्फ पैरों की थकान दूर करती है, बल्कि उन्हें मुलायम और साफ बनाए रखने में भी मदद करती है।

फुट केयर रूटीन

रात में आप एक टब में गर्म पानी को लें। इसमें आप अपने पैर को डुबोकर रखें। ऐसा करने से आपके मसल्स को आराम मिलेगा और शरीर के दर्द से भी आपको राहत मिलेगी। आप गर्म पानी में सेंधा नमक भी डाल सकते हैं। इससे आपके शरीर को और भी आराम मिलेगा। सोने से पहले पैरों पर मसाज भी करें। जिससे आपका ब्लड सर्कुलेशन सही रहेगा और दर्द से भी राहत मिलेगी। मसाज करने के लिए आप अपने हाथों में एक्स्ट्रा वर्जिन ऑलिव ऑयल लें। इसे अपनी हथेली में अच्छे से रगड़ें।

अब आप उंगलियों से ऊपर से नीचे के तरफ मसाज करें। हाथ की उंगलियों को आप टो के बीच में फंसा दें और घुमा लें। इसके बाद आप पैरों कि एड़ी को भी पकड़कर घुमा लें। पैर के तलवों को बीच में कुछ देर तक दबाएं। अब पैर के अंगूठे से ऊपर से नीचे की तरफ मालिश करें। मालिश करने से आपके पैरों को आराम मिलेगा। तेल की वजह से आपकी स्किन भी सॉफ्ट हो जाएगी और फटी एड़ियां की प्रॉब्लम भी नहीं होगी।

पानी के फिल्टर को साफ करें

आजकल हर घर में आपको वाटर फिल्टर मिल जाएगा। वाटर फिल्टर पानी को साफ और शुद्ध बनाने में काफी मदद करता है। अगर आपने भी अपने घर पर वाटर फिल्टर लगवा रखा है, तो यह खबर आपके लिए है। आज हम आपको वाटर फिल्टर से जुड़ी कई बातें बताएंगे।

घर में काफी समय से लगे हुए वाटर फिल्टर पर अक्सर हम ध्यान नहीं देते हैं और इसमें गंदगी जमा होने लगती है। इससे घर के सदस्यों को कई बीमारियों का सामना करना पड़ता है। यही नहीं इससे साफ और शुद्ध पानी खराब होने लगता है। इसलिए यह जरूरी है कि आप नियमित रूप से वाटर फिल्टर की सफाई जरूर करें।

मैनुअल का करें इस्तेमाल

आइए जानते हैं कुछ टिप्स के बारे में, जिसकी मदद से आप वाटर फिल्टर की सफाई कर सकते हैं। वाटर फिल्टर को साफ करने से पहले हर फिल्टर के साथ एक मैनुअल आता है, जिसमें सफाई के बारे में सभी जानकारी दी हुई है। इसके लिए मैनुअल को ध्यान से पढ़ें और उसके अनुसार सफाई करें।

अगर आप पता करना चाहते हैं कि आपका वाटर फिल्टर गंदगी से भर गया है या नहीं, तो अगर आपको ऐसा लग रहा है कि वाटर फिल्टर के पानी का स्वाद बदल गया है या फिर पानी का प्रभाव कम हो गया है, तो इसका मतलब है कि अब आपको फिल्टर की सफाई करनी चाहिए, नहीं तो इससे घर के सदस्य बीमार पड़ सकते हैं।

जब आप पूरे फिल्टर को अच्छी तरह पानी से धो दें, तो साफ कपड़े से इसे फिर से साफ करें और अगर फिर भी कहीं अगर जिद्दी दाग रह गए हैं तो आप बेकिंग सोडा या सिरका का इस्तेमाल कर इसे दोबारा साफ कर सकते हैं। आजकल बाजार में वाटर फिल्टर साफ करने के कई प्रोडक्ट मिल जाते हैं।

इन बातों का जरूर रखें ध्यान

ध्यान रहे आपको समय-समय पर फिल्टर कारतूस को बदलना चाहिए, वाटर फिल्टर को धूप में नहीं सुखाना चाहिए। इसके अलावा फिल्टर को साफ करते वक्त गर्म पानी का इस्तेमाल भी नहीं करना चाहिए। अगर आप नियमित रूप से वाटर फिल्टर की सफाई करेंगे, तो आपका फिल्टर बार-बार खराब नहीं होगा। इन सभी टिप्स को ध्यान में रखकर आप आसानी से वाटर फिल्टर को साफ कर सकते हैं।

हरी मिर्च के फायदे

भारतीय खाने में तीखापन सिर्फ स्वाद बढ़ाने के लिए ही नहीं होता, बल्कि यह सेहत से भी गहराई से जुड़ा हुआ है। अक्सर लोग खाने के साथ हरी मिर्च को सिर्फ स्वाद के लिए खाते हैं, लेकिन एक्सपर्ट्स के अनुसार रोजाना सीमित मात्रा में हरी मिर्च खाना शरीर के लिए भी फायदेमंद हो सकता है। हरी मिर्च में कई ऐसे पोषक तत्व पाए जाते हैं जो शरीर की कई जरूरी प्रक्रियाओं को बेहतर बनाने में मदद करते हैं।हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार के कैप्साइसिन नाम का एक खास तत्व हरी मिर्च में पाया जाता है, यह शरीर में गर्मी पैदा करने की प्रक्रिया यानी Thermogenesis को हल्का बढ़ा देता है। आसान शब्दों में समझें तो जब हरी मिर्च खाते हैं तो शरीर को थोड़ी एक्स्ट्रा ऊर्जा खर्च करनी पड़ती है, जिससे मेटाबॉलिज्म बेहतर हो सकता है।

मेटाबॉलिज्म को बेहतर बनाने में मददगार हरी मिर्च

हरी मिर्च में मौजूद कैप्साइसिन शरीर के कुछ रिसेप्टर को सक्रिय कर देता है। जिससे शरीर ऊर्जा का उपयोग ज्यादा करने लगता है। इससे मेटाबॉलिज्म बेहतर होने में मदद मिलती है। यही वजह है कि वजन कम करने की कोशिश कर रहे लोगों के लिए भी सीमित मात्रा में हरी मिर्च का सेवन फायदेमंद माना जाता है।

इम्यूनिटी बढ़ाने में भी मदद करती है हरी मिर्च

हरी मिर्च विटामिन सी का अच्छा सोर्स मानी जाती है, इसमें मौजूद विटामिन सी शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने में मदद करती है। इसके साथ ही यह कोलेजन के निर्माण में भी सहायक होता है जो स्किन और शरीर के कई हिस्सों के लिए जरूरी होता है। मिर्च में मौजूद कैप्साइसिन शरीर में इंसुलिन के काम करने के तरीकों को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है।

हरी मिर्च पाचन को भी बनाती है बेहतर

मसालेदार और तीखा भोजन पेट में गैस्ट्रिक एंजाइम के उत्पादन को बढ़ा सकता है। इससे खाना बेहतर तरीके से पचने मदद मिलती है। वहीं हरी मिर्च पाचन प्रक्रिया को सक्रिय करने में सहायक मानी जाती है, जिससे कई लोगों को भोजन पचाने में आसानी होती है।

स्कूली बच्चों की सुरक्षा से खिलवाड़: कबीरधाम में स्कूल बसें बनीं बारात की सवारी

कवर्धा। कबीरधाम जिले में स्कूली बच्चों की सुरक्षा और शिक्षा व्यवस्था से जुड़ा एक गंभीर मामला सामने आया है, जहां बच्चों को स्कूल पहुंचाने के लिए निर्धारित बसों का खुलेआम दुरुपयोग शादी-विवाह जैसे निजी आयोजनों में बारात ढोने के लिए किया जा रहा है। यह न केवल नियमों की खुलेआम अवहेलना है, बल्कि बच्चों की सुरक्षा के साथ भी सीधा खिलवाड़ है। हैरानी की बात यह है कि इस पूरे मामले में जिम्मेदार विभाग और अधिकारी मौन साधे हुए हैं, जिससे उनकी भूमिका भी संदेह के घेरे में आ गई है।मिली जानकारी के अनुसार, जिले के कई निजी और कुछ सहायता प्राप्त स्कूलों की बसें रात के समय बारातियों को ढोने में लगी रहती हैं। दिन में यही बसें बच्चों को स्कूल लाने-ले जाने का काम करती हैं, जबकि रात में उनका उपयोग पूरी तरह व्यावसायिक और निजी उद्देश्यों के लिए किया जा रहा है। सवाल यह उठता है कि क्या स्कूल प्रबंधन और वाहन मालिकों को कानून का कोई डर नहीं है, या फिर यह सब प्रशासन की जानकारी और मिलीभगत से हो रहा है।

नियमों की खुली अनदेखी

स्कूली बसों के संचालन के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश निर्धारित हैं। मोटर वाहन अधिनियम 1988 और सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी गाइडलाइन के अनुसार, स्कूल बसों का उपयोग केवल छात्रों के परिवहन के लिए ही किया जा सकता है। इन बसों में स्कूल बस लिखा होना अनिवार्य है और इन्हें विशेष सुरक्षा मानकों का पालन करना होता है। इसके अलावा, केंद्रीय मोटर वाहन नियम 1989 के तहत स्कूल बसों का परमिट भी विशेष उद्देश्य के लिए जारी किया जाता है। ऐसे में इन बसों का बारात या अन्य निजी कार्यक्रमों में उपयोग पूरी तरह गैरकानूनी है। यदि कोई वाहन अपने परमिट की शर्तों का उल्लंघन करता है, तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई, जुर्माना और परमिट निरस्तीकरण तक का प्रावधान है।

मिलीभगत की आशंका

स्थानीय स्तर पर यह चर्चा भी जोरो पर है कि बिना प्रशासनिक संरक्षण के इस तरह का कार्य संभव नही है। रात के समय बारात में स्कूल बसो का उपयोग कोई छुपी हुई गतिविधि नही है, इसके बावजूद कोई कार्रवाई नही होना कई सवाल खड़े करता है। क्या यह सब सब जानते है, लेकिन कोई बोलता नही वाली स्थिति बन चुकी है।

कार्रवाई की आवश्यकता

जागरूक नागरिको और अभिभावको ने इस मामले मे तत्काल जांच और कड़ी कार्रवाई की माग की है। उनका कहना है कि ऐसे सभी स्कूलो और बस संचालको की सूची तैयार की जाए जो नियमो का उल्लंघन कर रहे हैं। संबंधित बसो के परमिट तत्काल प्रभाव से निलंबित किए जाए। दोषी स्कूल प्रबंधन पर आर्थिक दंड और मान्यता रद्द करने जैसी सख्त कार्रवाई की जाए। परिवहन और शिक्षा विभाग संयुक्त रूप से नियमित जांच अभियान चलाए। कबीरधाम मे स्कूली बसो का बारात मे उपयोग केवल एक छोटी अनियमितता नही, बल्कि एक गंभीर प्रशासनिक विफलता का संकेत है। यह मामला बच्चो की सुरक्षा, कानून के पालन और प्रशासन की जवाबदेही से जुड़ा हुआ है। यदि समय रहते इस पर कठोर कदम नही उठाए गए, तो यह लापरवाही किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। अब देखना यह है कि जिम्मेदार अधिकारी इस मुद्दे पर कार्रवाई करते है या फिर हमेशा की तरह चुप्पी साधकर किसी अनहोनी का इंतजार किया जाएगा।

जिम्मेदार कौन

इस पूरे मामले में सबसे बड़ा सवाल जिम्मेदारी का है।स्कूल प्रबंधनः क्या स्कूल संचालकों को यह नहीं पता कि उनकी बसें किन कार्यों में उपयोग हो रही है? या फिर आर्थिक लाभ के लिए जानबूझकर नियमों की अनदेखी की जा रही है। वाहन मालिक और चालकः क्या उन्हें यह समझ नहीं कि बच्चों की सुरक्षा से जुड़ी बसों का इस तरह उपयोग करना अपराध है।

परिवहन विभाग : जिले में संचालित बसों की निगरानी और परमिट की शर्तों का पालन सुनिश्चित करना परिवहन विभाग की जिम्मेदारी है। फिर आखिर ये गड़बड़ियां उनकी नजरों से कैसे बच रही हैं। जिला प्रशासन और शिक्षा विभागः क्या इन विभागों ने कभी इस विषय में जांच या कार्रवाई की पहल की है, या फिर शिकायतों को नजरअंदाज किया जा रहा है।

सुरक्षा पर खतरा : जानकारों के अनुसार, स्कूल बसों का लगातार इस प्रकार दुरुपयोग उनकी तकनीकी स्थिति को भी प्रभावित करता है। बारातों में लंबी दूरी, ओवरलोडिंग और अनुशासनहीन संचालन के कारण बसों में खराबी आने की संभावना बढ़ जाती है। इसका सीधा असर बच्चों की सुरक्षा पर पड़ता है। यदि ऐसी कोई बस किसी दुर्घटना का शिकार होती है, तो उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा। क्या प्रशासन तब जागेगा जब कोई बड़ा हादसा हो जाएगा।

राष्ट्रीय सेवा योजना, सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन

पाटन। उद्यानिकी महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, सांकरा-पाटन के अंतर्गत संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना का सात दिवसीय विशेष शिविर ग्राम - जामगांव (एम) तहसील-पाटन, जिला-दुर्ग (छत्तीसगढ़) मे दिनांक 16 से 22 मार्च 2026 तक आयोजित किया गया, जिसके समापन समारोह मे मुख्य अतिथि तुलसी सिन्हा ,सरपंच महोदया ग्राम-पंचायत -जामगाँव (एम), विशिष्ट अतिथि यशवंत के राम कुलसचिव महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय दुर्ग, डॉ संजय शर्मा अधिष्ठाता छात्र कल्याण इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर, डॉ.सुबुही निषाद कार्यक्रम समन्वयक राष्ट्रीय सेवा योजना इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर,अध्यक्षता डॉ अमित दीक्षित अधिष्ठाता उद्यानिकी महाविद्यालय सांकरा एवं डॉ.गागेन्द्र सिंह राजपूत राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी के मार्गदर्शन मे 50 स्वयंसेवक सात दिवसीय विशेष शिविर मे ग्रामवासियों को स्वच्छता , स्वास्थ्य, जल संरक्षण, नशा मुक्ति अभियान, यातायात नियमों की जानकारी, पौधारोपण,योगा, बेटी बचाओ- बेटी बढ़ाओ, सायबर क्राइम, सेनेटरी पैड वितरण, कुपोषण मुक्ति गाँव, केंद्र एवं राज्य की महत्वकांक्षी योजनाओं की जानकारी एवं रक्तदान कर युवाओं को रक्तदान के प्रति जागरूक किये. स्वयंसेवकों ने महिला स्व सहायता समूहों एवं ग्रामीणों को केंचुए बनाने की विधि एवं उससे रोजगार सृजन कर अपने आर्थिक स्थिति को मजबूत करने की ट्रेनिंग दिये. साथ ही जैम, जेली, गुलकन्द, मशरूम उत्पादन के बारे मे प्रशिक्षण दिये. समापन समारोह मे उपस्थित समस्त ग्रामवासियों को फलदार पौधों का वितरण किया गया.

दुर्ग के 58 वार्ड में होंगे विकास कार्य, मंत्री गजेन्द्र यादव की पहल से 9.50 करोड़ स्वीकृत

दुर्ग । दुर्ग विधानसभा क्षेत्र के सभी 58 वार्डों में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार और सुदृढ़ीकरण के लिए बड़े पैमाने पर विकास कार्य किए जाएंगे। स्कूल शिक्षा , ग्रामोद्योग, विधि और विधायी कार्य मंत्री गजेन्द्र यादव की पहल पर शासन द्वारा 9.50 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है। इस महत्वपूर्ण स्वीकृति से शहर के विभिन्न वार्डों में लंबे समय से लंबित कार्य अब तेजी से पूरे किए जा सकेंगे। शासन से स्वीकृत राशि का उपयोग मुख्य रूप से नाली निर्माण, पुलिया निर्माण और जल निकासी व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए किया जाएगा। ये कार्य जनप्रतिनिधियों एवं आम नागरिकों से प्राप्त मांगों के आधार पर प्राथमिकता तय करते हुए कराए जाएंगे, जिससे बरसात के मौसम में जलभराव जैसी समस्याओं से राहत मिलेगी और आवागमन भी सुगम होगा। मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि दुर्ग शहर का समग्र और संतुलित विकास प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा की हमारा उद्देश्य केवल निर्माण कार्य कराना नहीं, बल्कि शहर के प्रत्येक वार्ड में रहने वाले नागरिकों को बेहतर और सुविधाजनक व्यवस्था प्रदान करना है। लंबे समय से जिन क्षेत्रों में नाली और पुलिया जैसी मूलभूत सुविधाओं की कमी थी, वहां अब तेजी से काम किया जाएगा। इससे स्वच्छता व्यवस्था बेहतर होगी और नागरिकों को होने वाली दैनिक परेशानियों से मुक्ति मिलेगी। मंत्री गजेन्द्र यादव ने आगे कहा, दुर्ग शहर को व्यवस्थित, स्वच्छ और आधुनिक शहर बनाने के लिए हम लगातार प्रयास कर रहे हैं। हर वार्ड में विकास कार्य समान रूप से पहुंचे, यह सुनिश्चित किया जा रहा है। सामुदायिक भवन, सीसी रोड, सड़क चौड़ीकरण, एप्रोच रोड, बिजली पोल विस्तार जैसे कार्य जनप्रतिनिधियों और नागरिकों से मिल रही प्रतिक्रिया के आधार पर योजनाएं तैयार की जा रही हैं, ताकि वास्तविक जरूरतों के अनुसार कार्य हो सके। मंत्री यादव ने यह भी कहा कि प्रदेश सरकार आम जनता की आवश्यकताओं को गंभीरता से समझते हुए त्वरित निर्णय ले रही है। प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में विकास कार्यों को गति मिली है। उनके मार्गदर्शन में प्रदेश के साथ-साथ दुर्ग शहर भी निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है। मैं दुर्गवासियों की ओर से मुख्यमंत्री जी का आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए राशि स्वीकृत की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन विकास कार्यों के पूर्ण होने के बाद शहर की बुनियादी सुविधाएं मजबूत होंगी और नागरिकों के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव आएगा। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी कार्य गुणवत्तापूर्ण और समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं, ताकि जनता को जल्द से जल्द इसका लाभ मिल सके। इस पहल से दुर्ग शहर के सभी 58 वार्डों में आधारभूत ढांचा मजबूत होगा और शहर विकास की नई दिशा में आगे बढ़ेगा।

निगम का सख्त एक्शनः सड़कों से मवेशियों की धरपकड़ तेज, रात में हादसों पर लगेगी रोक

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग क्षेत्रांतर्गत शहर की सड़कों को सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित बनाए रखने हेतु आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देश पर अतिक्रमण विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। निगम की टीम द्वारा मुख्य मार्गों, चौक-चौराहों एवं सार्वजनिक स्थलों पर घूम रहे मवेशियों को पकड़ने का कार्य नियमित रूप से दो शिफ्टों में संचालित किया जा रहा है। निगम द्वारा इस अभियान के तहत काऊ कैचर वाहन की सहायता से मवेशियों को सुरक्षित रूप से पकड़ा जा रहा है, जिससे यातायात बाधित न हो और नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। विशेष रूप से रात्रि के समय होने वाली सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के उद्देश्य से पकड़े गए मवेशियों को रेडियम पट्टी पहनाई जा रही है, ताकि अंधेरे में भी वे स्पष्ट रूप से दिखाई दे सकें। इसके अतिरिक्त, नागरिकों से प्राप्त शिकायतों पर भी निगम द्वारा त्वरित कार्रवाई की जा रही है। सूचना मिलते ही संबंधित क्षेत्र में टीम भेजकर मवेशियों को पकड़कर शहर क्षेत्र के पुलगांव स्थित गोठान में सुरक्षित छोड़ा जा रहा है। इस अभियान से शहर में आवारा मवेशियों की समस्या पर नियंत्रण पाने के साथ-साथ सड़क दुर्घटनाओं में भी कमी आने की उम्मीद है। नगर निगम द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि वे अपने मवेशियों को खुले में न छोड़ें तथा शहर को स्वच्छ, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाए रखने में निगम का सहयोग करें।

दुर्ग जिला अस्पताल में 900 ग्राम के नवजात को मिला नया जीवन, 50 दिनों की जंग के बाद सुरक्षित डिस्चार्ज

दुर्ग। जिला अस्पताल के डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ ने एक बार फिर अपनी कार्यकुशलता का लोहा मनवाया है। अंजोरा निवासी ममता जांगड़े के समयपूर्व जन्मे नवजात शिशु को, जिसका वजन जन्म के समय मात्र 900 ग्राम था, 50 दिनों के गहन उपचार के बाद पूरी तरह स्वस्थ कर छुट्टी दे दी गई है।

4 फरवरी को जन्मे इस शिशु की हालत अत्यंत नाजुक थी। उसे सांस लेने में भारी तकलीफ (रेस्पिरेटरी डिस्ट्रेस सिंड्रोम) थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए उसे तत्काल विशेष नवजात शिशु देखभाल इकाई) में भर्ती कर वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया। एसएनसीयू इंचार्ज पीडियाट्रिशियन डॉ. वाई. किरण कुमार के नेतृत्व में शिशु को फेफड़ों के लिए सर्फेक्टेंट थेरेपी दी गई, जिसमें डीएनबी रेजिडेंट डॉ. हेमंत सिंह ने अहम भूमिका निभाई। उपचार के दौरान शिशु को रक्त चढ़ाया गया और ह्हड्ड एंटीबायोटिक्स दी गईं।

नियमित आरओपी स्क्रीनिंग और कड़े पोषण प्रबंधन की निगरानी की गई। 50 दिनों के निरंतर संघर्ष के बाद मासूम का वजन 900 ग्राम से बढ़कर 1.8 किलोग्राम हो गया है।

इस बड़ी उपलब्धि पर सिविल सर्जन डॉ. आशीषन मिन्ज ने पूरी टीम को बधाई दी। इस सफल उपचार में शिशु रोग विभाग के प्रमुख डॉ. आर. के. मल्होत्रा, डॉ. हेमंत कुमार साहू, डॉ. आशीष साहू, डॉ. पूजा, डॉ. आलोक और समस्त नर्सिंग स्टाफका विशेष योगदान रहा।

तेज रफ्तार KTM बाइक पेड़ से टकराई दो किशोर गंभीर रुप से घायल

भिलाई भट्ठी थाना क्षेत्र के अंतर्गत टाउनशिप में सुबह 7:15 बजे पांडे चौक सेक्टर 4 के पास तेज रफ्तार केटीएम बाइक पेड़ से जा टकराई। जिसमें सवार दो किशोर गंभीर रुप से घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए सेक्टर 9 अस्पताल में दाखिल कराया गया है जहां दोनों की स्थिति गंभीर बताई गई है। भिलाई भट्ठी पुलिस के द्वारा मामला दर्ज कर विवेचना की जा रही है। नगर पुलिस अधीक्षक भिलाई नगर सत्य प्रकाश तिवारी ने बताया कि घटना मंगलवार सुबह टाउनशिप क्षेत्र के सेंट्रल एवेन्यू रोड पर सुबह 7:15 की बताई गई है। एक तेज रफ्तारचक्कबाइक सड़क किनारे स्थित पेड़ से जा टकराई। सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार दो किशोर गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। जिन्हें उपचार के लिए चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। मोटरसाइकिल में सवार दोनों किशोर गंभीर रुप से घायल है। दसवीं कक्षा का छात्र सेक्टर 3 निवासी केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के जवान का पुत्र बताया गया है। मोटरसाइकिल के पीछे उसका ही मित्र रिसाली निवासी बैठा था। घायल किशोर दिव्या कुमार व अक्षत चंद्राकर बताए जाते हैं। भिलाई भट्ठी पुलिस ने बताया कि दोनों ही घायलों की स्थिति गंभीर बताई गई है। फिलहाल मामला दर्ज कर विवेचना की जा रही है।

रामनवमी पर जिले के एक लाख परिवारों से संग्रहित अन्न से बनेगा महाप्रसाद

श्रीराम जन्मोत्सव समिति द्वारा लगातार 41वें वर्ष हो रहा भव्य आयोजन

भिलाई नगर। श्रीराम जन्मोत्सव समिति द्वारा 26 मार्च को भव्य रूप से श्रीरामनवमी कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें जिले के 1 लाख से अधिक परिवारों से संग्रहित अन्नदान से महाप्रसाद बनाया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता बाल योगेश्वर राम बालकदास महात्यागी, श्री पाटेश्वर धाम उपस्थित रहेंगे। वहीं अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ के शिक्षामंत्री गजेंद्र यादव , मंत्री गुरु खुशवंत साहेब उपस्थित रहेंगे। इसके अलावा पूर्व विधानसभा अध्यक्ष व समिति के संरक्षक प्रेमप्रकाश पाण्डेय भी कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में सांसद विजय बघेल,विधायकललित चंद्राकर, रिकेश सेन, डोमनलाल कोर्सेवाड़ा, वरिष्ठ पत्रकार डॉ. हिमांशु द्विवेदी, भाजयुमो प्रदेश प्रभारी आलोक डंगस, छत्तीसगढ़ बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष वर्णिका शर्मा व जिला भाजपा अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन उपस्थित रहेंगे। श्रीरामनवमी के इस आयोजन के लिए समिति ने 22 फ़रवरी से निरंतर ÷एक मुट्ठी दान- श्रीराम के नाम÷ अभियान भी चलाया गया।

श्रीराम जन्मोत्सव समिति के युवा विंग अध्यक्ष मनीष पाण्डेय ने पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि विगत 4 दशकों से निरंतर चला आ रहा यह आयोजन, मध्य भारत के सबसे बड़े धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन के रूप में अपनी पहचान बना चुका है, जिसमें लगभग 1150 से अधिक मठ-मंदिरों से ध्वजवाहक शोभायात्रा में शामिल होते हैं। जिले के विभिन्न क्षेत्रों से भव्य शोभायात्राएं निकलती है जो मुख्य रूप से बाबा भोलेनाथ शोभायात्रा, भगवान चतुर्भुजी शोभायात्रा, मां बम्लेश्वरी शोभायात्रा और मां दंतेश्वरी शोभायात्रा के रूप में आयोजन स्थल पर एकत्रित होती है। यहां पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। इसके अतिथि विभिन्न प्रखण्डों से झांकियां भी निकाली जाती है, जिन्हें आयोजन स्थल पर पुरस्कृत किया जाता है। श्री पाण्डेय ने बताया कि इस अभियान में विगत 22 फ़रवरी से अब तक जिले के 01 लाख से अधिक परिवारों से अन्न संग्रहित किया जा चुका है। इस अन्न से श्रीरामनवमी के शुभ अवसर पर महाप्रसाद बनाया जायेगा। उन्होंने कहा कि इस अभियान में भिलाईवासियों ने जिस उत्साह और समर्पण के साथ सहभागिता दी है, वह अभूतपूर्व है। 26 मार्च को होने वाले मध्य भारत के इस सबसे बड़े धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन की तैयारियां अंतिम चरण पर हैं। आयोजन संबंधी सारी तैयारियों के लिए विभिन्न टीमों का गठन किया गया था। वहीं समिति के मुख्य शाखा, महिला शाखा और युवा शाखा द्वारा लगातार अपने - अपने प्रखण्डों में आमजनों को इस आयोजन के लिए आमंत्रित किया जा रहा है। इस वर्ष सभी 12 प्रखण्डों से शोभायात्रा निकाली जाएगी जिसके लिए रूट का निर्धारण पहले ही किया जा चुका है। यह सभी शोभायात्रा तय रूट से होते हुए रामलीला मैदान पावर हाउस पहुंचेंगी। पत्रकारवार्ता के दौरान मुख्य रूप से समिति के प्रांतीय अध्यक्ष रमेश माने, जिलाध्यक्ष मदन सेन, कार्यकारी अध्यक्ष प्रवीण पाण्डेय, जिला महामंत्री गण बसंत प्रधान ,जोगिंदर शर्मा आदि उपस्थित थे।

समिति के प्रांतीय महामंत्री बुद्धन ठाकुर ने कहा कि समिति द्वारा लगातार चौथे वर्ष एक मुट्ठी दान -श्रीराम के नाम अभियान चलाया गया। जिसमें पूरे समर्पण भाव से नगरवासियों ने हिस्सा लिया। हर व्यक्ति ने अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए बढ़-चढ़कर दान किया। इसी तरह सभी प्रखण्डों में बुजुर्गों एवं दिव्यांगजनों ने प्रभु श्रीराम के प्रति अपनी अटूट आस्था दिखाते हुए इस पुनीत कार्य में अपनी सहभागिता दी। उन्होंने बताया कि प्रत्येक वर्ष की तरह ही इस वर्ष भी प्रत्येक प्रखण्डों से आकर्षक झांकियां निकाली जाएगी, साथ ही कार्यक्रम स्थल पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com